राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, 23 अगस्त 2022 वर्ष-5, अंक-206 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल सरकार पर 1000 बसों की खरीद घोटाले में एफआईआर!

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली सरकार द्वारा 1000 लो-फ्लोर बसों की खरीद में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर प्रारंभिक जांच दर्ज की है। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के संदर्भ पर जांच दर्ज की गई है। दिल्ली सरकार ने बस खरीद में भ्रष्टाचार के आरोपों का खंडन किया था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सीबीआई का इस्तेमाल करके उसे परेशान करने का आरोप लगाया है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) द्वारा बसों की खरीद के वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) में भ्रष्टाचार का मामला इस साल मार्च में दिल्ली विधानसभा में भाजपा द्वारा उठाया गया था। जून में पूर्व उपराज्यपाल अनिल बैजल द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने एएमसी में प्रक्रियागत खामियां पाई थी और इसे खत्म करने की सिफारिश की थी। अधिकारियों ने कहा कि उपराज्यपाल ने मामले को विचार के लिए गृह मंत्रालय के पास भेजा था। उन्होंने कहा कि शिकायत में आरोपों का पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच पहला कदम है कि क्या वे प्रथमदृष्टया प्राथमिकी के योग्य अपराध का संकेत देते हैं।

भारतीय वोटर बन गए रोहिंग्या मुसलमान

लखनऊ । एटीएस लखनऊ यूनिट की पड़ताल में रोहिंग्या मुसलमानों के संबंध में बड़ा खुलासा हुआ है। फर्जी प्रपत्रों के आधार पर रोहिंग्या पहचान पत्र बनवाकर भारतीय मतदाता बन चुके हैं। एक साल पूर्व अलीगढ़ से पकड़े गए रोहिंग्या के पास मतदाता पहचान पत्र मिलने की जानकारी सामने आने पर अब उसे निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एटीएस अब प्रदेश भर में बसे रोहिंग्याओं का रिकॉर्ड खंगालने में जुट गई है। 2021 में पुलिस के आतंकवादी निरोधक दस्ते ने मानव तस्करी के मामले में नोएडा, अलीगढ़ से रोहिंग्या की गिरफ्तारियां की थीं। म्यांमार से रोहिंग्याओं को बांग्लादेशियों की सीमा से लाने और देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त गिरोह के संबंध में एटीएस को इनपुट मिला था। इसके बाद एटीएस ने 28 फरवरी 2021 को फारूख को नोएडा के परी चौक से गिरफ्तार किया था। फारूख अलीगढ़ के मकदूम नगर में रह रहा था। पूछताछ में पता चला कि उसका असली नाम हसन अहमद पुत्र नूर अहमद है। वह म्यांमार के आकियाब जिले के मगरू थाना क्षेत्र स्थित तमचन गांव का रहने वाला है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली में रोहिंग्या मुसलमानों को आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के फ्लैटों में स्थानांतरित करने के किसी भी कदम से बुधवार को इनकार किया और दिल्ली सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ''अवैध विदेशियों'' को उनके देश वापस भेजे जाने तक निरुद्ध केंद्रों में रखा जाए।

रूस में ISIS का सुसाइड बॉम्बर अरेस्ट, भाजपा के बड़े नेता पर हमले की रच रहा था साजिश

नेशनल डेस्क। रूसी संघीय सुरक्षा सेवा (**FSB**) ने सोमवार को बताया कि उसके अधिकारियों ने एक सुसाइड बॉम्बर को हिरासत में लिया है, जो **ISIS** आतंकवादी समूह का एक सदस्य है और भारत के नेतृत्व अभिजात वर्ग के खिलाफ आतंकवादी हमले की साजिश रच रहा था। रूस की न्यूज एजेंसी स्पूतनिक के मुताबिक, प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि रूस के **FSB** ने रूस में प्रतिबंधित इस्लामिक स्टेट अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठन के एक सदस्य की पहचान की और उसे हिरासत में लिया गया। बयान में बताया गया कि हिरासत में लिया गया शख्स मध्य एशियाई क्षेत्र के एक देश का मूल निवासी है। उसने भारत में सत्ताधारी दल यानि भाजपा के किसी बड़े नेता को सुसाइड अटैक में मारने की योजना बनाई थी। एजेंसी के मुताबिक, आरोपी ने अप्रैल से जून तक तुर्की में आतंक की ट्रेनिंग ली थी। उसे आईएस के एक नेता ने आत्मघाती हमलावर के तौर पर भर्ती किया गया था। वहां उसे सुसाइड अटैक की ट्रेनिंग दी गई थी, वह टेलीग्राम के जरिए आईएस से जुड़ा था।

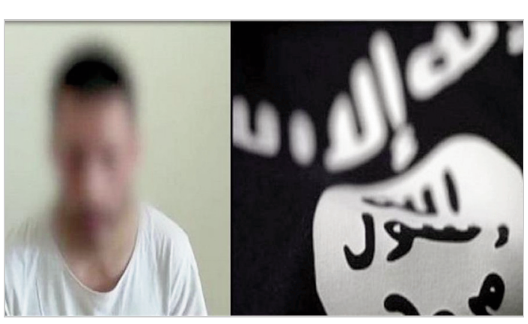

मुंबई में आतंकी हमले की चेतावनी से मुंबई पुलिस अलर्ट

गेटवे ऑफ इंडिया समेत तमाम टूरिस्ट प्लेसों को किया बंद

मुंबई। (एजेंसी)

मुंबई में 26/11 जैसे हमले की चेतावनी वाले धमकी भरे मैसेज मिलने के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट है. एहतियातन मुंबई पुलिस ने गेटवे ऑफ इंडिया और कुछ अन्य पर्यटन स्थलों को बंद करते हुए शहर, समुद्र तट और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है. वैसे गुरुवार को मुंबई से सटे रायगढ़ तट पर हथियारों के साथ एक संदिग्ध नाव मिलने के बाद पहले से ही मुंबई पुलिस अलर्ट पर है. किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शहर भर में पुलिस की तैनाती बढ़ाते हुए शनिवार शाम 7 बजे के बाद गेटवे ऑफ इंडिया को भी विजिटर्स के लिए बंद कर दिया गया था. वहीं एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ÷नाव मिलने के बाद हमने गेटवे ऑफ इंडिया सहित तमाम टूरिस्ट प्लेसों पर सुरक्षा बढ़ा दी हैं. वहीं 26/11 जैसे हमले की धमकी के बाद गेटवे ऑफ इंडिया और अन्य पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है.÷ मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम और आतंकवाद निरोधी दस्ते सहित सभी पुलिस टीमों को अलर्ट पर रखा गया है. बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और राज्य रिजर्व पुलिस बल जैसे अतिरिक्त बलों को भी अलर्ट पर रखा गया है. अधिकारी ने कहा कि,÷सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया जा रहा है और सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है. फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है,÷ वहीं पुलिस ने कहा कि केंद्र और राज्य की एजेंसियों को खतरों के बारे में सूचित कर दिया गया है, इसके अलावा, रेलवे पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है जबकि स्टेशनों पर तैनाती बढ़ा दी गई है. आपको बता दें कि शुक्रवार की रात करीब 11.35 बजे, मुंबई ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर को उसके व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज मिला था जिसमें दावा किया गया था कि 2008 के 26/11 के हमलों की

यादों को ताजा करने के लिए शहर में जल्द ही एक हमले को अंजाम दिया जाएगा. पुलिस ने बताया कि मैसेज में चेतावनी दी गई है कि हमला कुछ लोगों द्वारा किया जाएगा और महानगर को उड़ाने की तैयारी की जा रही है. हालांकि इस मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है.

नए कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव बना चुनौती

पार्टी राहुल गांधी के स्थान पर किसी गैर गांधी पर खेलेंगी दांव?

नई दिल्ली । (एजेंसी)

शीर्ष अध्यक्ष पद को भरने के लिए कांग्रेस पार्टी लंबे समय से प्रयासरत है। नए अध्यक्ष के लिए एक बार फिर राहुल गांधी के नाम की चर्चा जोर पकड़ने लगी है। हालांकि, राहुल गांधी ने पार्टी अध्यक्ष के तौर पर अपने नाम की सहमति अभी तक जाहिर नहीं की है। जिसके चलते कांग्रेस के लिए नया अध्यक्ष का चुनाव चुनौती बन गया है। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्टी ने 20 अगस्त तक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली है। पार्टी ने घोषणा की थी कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होगा। लेकिन कई प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी ने अब तक अपना रुख साफ नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण ने पूरी तैयारी कर ली है। प्राधिकरण का अध्यक्ष कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की प्रतीक्षा कर रहा है। जिसके बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रक्रिया अटकी हुई है, क्योंकि राहुल गांधी अब तक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं, हालांकि उन्हें मनाने के सभी प्रयास अभी भी जारी हैं। दरअसल, राहुल एक गैर गांधी को अध्यक्ष पद देने पर अड़े हुए हैं और इसी वजह से वह बहन प्रियंका गांधी वाड्रा को नामांकन दाखिल करने से रोक रहे हैं। वहीं, सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से इस पद पर नहीं रहना चाहती हैं और राहुल चाहते हैं कि सोनिया की जगह कोई गैर गांधी पद सौंपा जाए। हालांकि, कांग्रेस ने राहुल को मनाने की कोशिश की और प्रियंका को दूसरा विकल्प के तौर पर पेश करने की बात कही गई। सूत्रों ने कहा कि अगर राहुल नहीं मानते हैं तो सोनिया गांधी को पार्टी की एकता के लिए 2024 तक अध्यक्ष रहने के लिए मनाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, अगर सोनिया गांधी भी अध्यक्ष पद नहीं बनी रही तो पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जिसके चलते अशोक गहलोत, मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल, कुमारी शैलजा और मुकुल वासनिक जैसे नेताओं में से किसी एक के नाम पर सहमति बनने की कोशिश हो सकती है।

पीएम मोदी देंगे पंजाब व हरियाणा को सौगात

अमृता अस्पताल और होमी भाभा कैंसर अस्पताल का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 अगस्त को हरियाणा और पंजाब का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम मोदी के दौरे के बारे में जानकारी दी है। पीएमओ के अनुसार, 24 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे मोदी हरियाणा के फरीदाबाद में अमृता अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी पंजाब के मोहाली जाएंगे और मुल्लांपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन करेंगे। संजय शिरसाट ने वरिष्ठता के आधार पर मंत्री नहीं बनाए जाने को लेकर खुलकर नाराजगी व्यक्त की है।

पंजाब व हरियाणा को सौगात देंगे पीएम मोदी

पीएमओ ने दौरे की जानकारी देते हुए बताया कि 24 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चंडीगढ़ व मोहाली के दौरे पर पहुंचेंगे। इस दौरान पीएम मोदी मोहाली के मुल्लांपुर में होमी भाभा कैंसर हास्पिटल का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी हरियाणा के फरीदाबाद का भी दौरा करेंगे। यहां प्रधानमंत्री अमृता अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। 2600 बिस्तरों वाला अमृता अस्पताल भारत का सबसे बड़ा निजी अस्पताल होगा। यह विशाल चिकित्सा संस्थान 130 एकड़ भूमि में फैला हुआ है।

पीएम मोदी के पंजाब दौरे से पहले अलर्ट

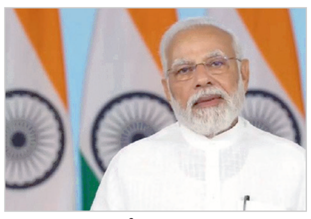

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पंजाब पुलिस को अलर्ट किया है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को देखते हुए राज्य में आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

2023 से मेडिकल काउंसिल में डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

- एमबीबीएस की फाइनल परीक्षा मेडिकल कॉलेज लेंगे

नई दिल्ली। अगले साल से मेडिकल प्रैक्टिस करने के पहले एमबीबीएस पास छात्र को नेशनल एग्जिट टेस्ट पास करना अनिवार्य होगा। नेशनल मेडिकल काउंसिल एक्ट 2019 के सेक्शन 15 (1) के तहत काउंसिल की ओर से फाइनल ईयर अंडर ग्रेजुएट एग्जामिनेशन प्रतिवर्ष आयोजित होगा। 2023 से मेडिकल प्रैक्टिस शुरू करने के लिए स्टेट मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। फाइनल ईयर की कॉमन परीक्षा आयोजित की जाएगी। 2022 से एमबीबीएस की फाइनल ईयर की परीक्षा संबंधित मेडिकल कॉलेज को ही करानी होगी। कामन परीक्षा होने से पूरे देश में इंटर्नशिप से लेकर संबंधित पाठ्यक्रम एक साथ शुरू हो सकेंगे। मेडिकल एक्टिविस्ट डॉ आकाश सोनी की ओर से आरटीआई के जवाब में एनएमसी ने उपरोक्त जानकारी दी है। उल्लेखनीय है, एमसीआई खत्म होने के बाद एनएमसी एक्ट 2019 लागू किया गया है। इसके प्रावधान में 3 साल के बात एग्जिट एग्जाम लागू किए जाने का प्रावधान है।

बदलेंगे देश के सभी 23 एम्स के नाम

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने दिल्ली समेत सभी 23 एम्स का नाम स्थानीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, क्षेत्र की ऐतिहासिक घटनाओं अथवा स्मारकों के नाम पर रखने का प्रस्ताव किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इस बाबत सुझाव मांगे जाने के बाद अधिकतर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने नामों की सूची सौंप दी है। एक अधिकारी ने बताया कि एम्स अपने सामान्य नाम से जाने जाते हैं और केवल उनके विशिष्ट स्थान से उन्हें पहचाना जाता है। गौरतलब है कि कई एम्स संचालन में हैं जबकि अन्य प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत स्थापित किए जा रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस संबंध में विभिन्न एम्स को विशिष्ट नाम देने के संबंध में सुझाव मांगे गए थे, जिन्हें स्थानीय या क्षेत्रीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक पहचान से जोड़ा जा सकता है, जहां संबंधित एम्स स्थित है। माना जाता है कि अधिकांश एम्स ने सुझाए गए नामों के लिए व्याख्यात्मक नोट के साथ तीन से चार नामों का सुझाव दिया है। छह नए एम्स – बिहार (पटना), छत्तीसगढ़ (रायपुर), मध्य प्रदेश (भोपाल), ओडिशा (भुवनेश्वर), राजस्थान (जोधपुर) और उत्तराखंड (ऋषिकेश) को पीएमएसएसवाई के पहले चरण में मंजूरी दी गई थी और इनका संचालन पूरी तरह शुरू हो चुका है।

ज़िंदगी भर की औरंगज़ेब की इबादत, जेल जाने के समय याद आए महाराणा प्रताप : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सुबह सुबह दावा किया कि उन्हें भाजपा ने पार्टी में शामिल होने का संदेश दिया था, लेकिन मैं महाराणा प्रताप का वंशज हूं, सर कटा लूंगा लेकिन उनके सामने झुकूंगा नहीं। उनके इस बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा कि ज़िंदगी भर औरंगज़ेब की इबादत करते रहे और अब जब जेल जाने का समय आया तो महाराणा प्रताप याद आ गए। कपिल मिश्रा ने ट्वीट किया कि ज़िंदगी भर औरंगज़ेब की इबादत की और चोरी और रिश्वतख़ोरी में जेल जाने का समय आया तो महाराणा प्रताप याद आ गए। उन्होंने कहा केस माफ़ कराने और भाजपा में आने के लिए आपने कितने पापड़ बेलें है, यह मीडिया और पोलिटिकल सर्कल में सबको पता है। पकड़े जाने पर हर भ्रष्ट, चोर, रिश्वतखोर ऐसे ही बिलबिलाता है। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने लिखा कि हम जातिधर्म की राजनीति नहीं करते और अब चोरी के आरोप में जेल जाना है तो जातिकार्ड खेलना शुरू, महाराणा प्रताप के वंशज दारू बेचने-भ्रष्टाचार का कारोबार नहीं करते, उन्होंने तो देशविरोधी ताकतों को खत्म किया था जबकि आप सब देशविरोधी ताकतों से कंधे से कंधा मिलाकर चलने में विश्वास रखते हैं। दरअसल, मनीष सिसोदिया ने अपने ट्वीट में लिखा था कि मेरे पास भाजपा का संदेश आया है। आप छोड़कर भाजपा में आ जाओ, सारे सीबीआई ईडी के केस बंद करवा देंगे। मेरा भाजपा को जवाब- मैं महाराणा प्रताप का वंशज हूँ, राजपूत हूँ। सर कटा लूंगा, लेकिन भ्रष्टाचारियो-षड्यंत्रकारियों के सामने झुकूंगा नहीं। मेरे ख़िलाफ़ सारे केस झूठे हैं, जो करना है कर लो। आपको बता दें कि नई शराब नीति को लेकर मनीष सिसोदिया की मुश्किलें लगातार बढ़ती हुए दिखाई दे रही है। मनीष सिसोदिया से जांच एजेंसी इस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं, मनीष सिसोदिया के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी कर दिया गया है। कपिल मिश्रा ने एक ट्वीट किया कि खबर है कल देर रात केजरीवाल ने सिसोदिया के पैर पकड़ लिए कि अंदर जाने के बाद मेरा नाम मत लियो। सिसोदिया चिल्ला रहे थे कि जब चोरी सबने मिलकर की तो जेल मैं अकेला क्यों जाऊँ। अगर इस घटना की विडियो मिला तो शेयर करूंगा।

राहुल गांधी ने कहा- कॉरपोरेट के मुकाबले जनता से अधिक टैक्स वसूल रही मोदी सरकार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर आम लोगों पर कर का अधिक बोझ डालने और अपने मित्रों के कर में कमी करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने ट्विटर पर एक ग्राफ भी साझा किया और आरोप लगाया कि सरकार आम लोगों से अधिक कर वसूल कर रही है जबकि कॉरपोरेट से कम कर की वसूली हो रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा` कि लोगों पर करों को बढ़ाया गया, मित्रों के लिए करों में कटौती की गई सूट-बूट-लूट सरकार के कामकाज का स्वाभाविक तरीका। राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए ग्राफ में कांग्रेस शासन और भाजपा सरकार के दौरान कर वसूली का तुलनात्मक विवरण दर्शाया गया है, जिसमें कहा गया कि लोगों पर कम कर बनाम लोगों पर अधिक कर। ग्राफ में दर्शाया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में कॉरपोरेट कर में कमी आई है जबकि आम लोगों पर कर का बोझ बढ़ा है। इसमें यह भी दिखाया गया है कि सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से एकत्रित राजस्व का प्रतिशत आम लोगों से अधिक जबकि कॉरपोरेट से कम है। ग्राफ में दिखाया गया है कि 2010 में कॉरपोरेट पर लगे कर से एकत्रित राजस्व 40 फीसदी से अधिक था जबकि आम लोगों से 24 फीसदी कर वसूली की गई थी। इसमें दर्शाया गया है कि 2021 में कॉरपोरेट पर कर से राजस्व की वसूली घटकर 24 फीसदी रह गई जबकि आम लोगों से 48 फीसदी कर राजस्व वसूला गया।

मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए जारी किया

अगले 3 दिन भारी वर्षा का अलर्ट

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने कई राज्यों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के मुताबिक उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश में बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिमी व उत्तर पश्चिमी इलाके में आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव के कारण पश्चिमी मध्यप्रदेश और पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि 22 अगस्त से लेकर 24 अगस्त के बीच देश के कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी के पूर्वानुमानों के मुताबिक पश्चिम मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के अधिकांश स्थानों पर 22 अगस्त को भारी से अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। जबकि, पूर्वी मध्य प्रदेश, दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, उत्तरी गुजरात और उत्तर मध्य महाराष्ट्र के छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा की अधिक संभावना है। इसी तरह कल यानी 23 अगस्त को दक्षिणी राजस्थान और आसपास के गुजरात और उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि 24 अगस्त को भी दक्षिण पूर्वी राजस्थान और उससे सटे कच्च के गुजरात में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश के कारण इन राज्यों के कुछ इलाकों में बाढ़ के भी हालात बन सकते हैं। वहीं पिछले कई दिनों से हिमालयी राज्यों में भारी बारिश के कारण जान-माल की भारी क्षति हुई है। हालांकि अब हिमालयी राज्यों में मॉनसून के कमजोर पड़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में भी अगले कुछ दिनों में भारी वर्षा हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक अगले 24 घंटे में दक्षिण झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वी एवं मध्य मध्य प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश संभव है। वहीं, आंतरिक ओडिशा, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, कोंकण और गोवा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पश्चिमी हिमालय और विदर्भ में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। गंगीय पश्चिम बंगाल, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, केरल, तटीय कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

संपादकीय

नय्यारा नूरः अनासक्त गायिका

जनवरी 1981 में जब मैं काबुल में प्रधानमंत्री बबरक कारमल से मिलने जा रहा था तो राजमहल के ड्राइवर ने कार में एक हिंदी गजल चला दी। मैंने उससे फारसी में पूछा कि यह पठान या ताजिक गायिका इतनी अच्छी हिंदी-उर्दू गजल कैसे गा रही है?

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पाकिस्तान की प्रसिद्ध गायिका नय्यारा नूर (71) का रविवार को निधन हो गया। सारे पाकिस्तान के अखबार और चैनल उनके शोक-समाचार से भरे हुए हैं। नय्यारा नूर से मेरी पहली मुलाकात 1981 में हुई थी। जनवरी 1981 में जब मैं काबुल में प्रधानमंत्री बबरक कारमल से मिलने जा रहा था तो राजमहल के ड्राइवर ने कार में एक हिंदी गजल चला दी। मैंने उससे फारसी में पूछा कि यह पठान या ताजिक गायिका इतनी अच्छी हिंदी-उर्दू गजल कैसे गा रही है? उसने बताया कि यह महिला अफगान नहीं, पाकिस्तानी है और इसका नाम नय्यारा नूर है। उसी साल मेरा पाकिस्तान भी जाना हुआ, 'इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेटिजिक इंस्टीट्यूट' के निमंत्रण पर। उस समय पाकिस्तान के लगभग सभी सत्तारुढ़ और विरोधी नेताओं से मेरा मिलना हुआ लेकिन मेरी बड़ी इच्छा थी कि कुछ वक्त मिले तो मैं नय्यारा नूर से जरुर मिलूं। उन दिनों नूरजहां और मलिका पुखराज जैसी वरिष्ठ गायिकाओं का सिक्का बहुत जमा हुआ था। उनसे भेंट के बाद नय्यारा से संपर्क करके मैं लाहौर में उनके घर पहुंचा तो मुझे ढूंढते-ढूंढते मेहदी हसन भी वहां आ पहुंचे। वे जयपुर के थे। मैंने बताया कि मेरे दादा-परदादा खाटू के थे तो वे मुझसे मारवाड़ी में बात करने लगे। नय्यारा के पति शहरयार जैदी लखनऊ के थे। हम चारों भारतीय मूल के लोग आपस में इतने रम गए कि जैसे बरसों से दोस्त रहे हों। नय्यारा नूर गुवाहाटी में 1950 में पैदा हुई थीं। 8 साल बाद उनके पिता पाकिस्तान चले आए। जब नय्यारा लाहौर के कॉलेज में पढ़ रही थीं तो अचानक उनकी गायन-प्रतिभा प्रस्फुटित हो गई। वे पहले रेडियो पर गाने लगीं। फिर क्या था? उनकी बड़ी-बड़ी महफिलें सजने लगीं। टीवी चैनलों और फिल्मों में भी उनकी गजलें सुनी जाने लगीं। छोटी उम्र में ही वे बहुत प्रसिद्ध और लोकप्रिय होने लगीं। उन्होंने मीर, गालिब, फैज़ और कई शायरों की गजलें गाईं। उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार मिले। लेकिन मैंने जो सज्जनता और सरलता उनमें और उनके पति जैदी साहब में पाई, वह बहुत कम भारतीय और पाकिस्तानी कलाकारों में पाई। पहली मुलाकात में ही पति-पत्नी ने मेरा दिल जीत लिया। उन्होंने मुझे अपने कई कैसेट भेंट दिए, जो आजतक मेरे पास हैं और जिन्हें मैं बहुत प्रेम से सुनता हूं। पिछले 40 साल में पाकिस्तान की मेरी हर यात्रा के दौरान मेरी इच्छा रहती थी कि बहन नय्यारा से मिलूं और उनके पास बैठकर उनकी गजलें सुनूं लेकिन वे अब कराची में रहने लगी थीं। कराची जब भी जाना हुआ, वह भी सिर्फ कुछ घंटों के लिए और कुछ खास मुलाकातों के लिए! इसीलिए नय्यारा समेत कई मित्रों से सिर्फ फोन पर बात करके ही संतुष्ट होना पड़ता रहा। नय्याराजी से अभी दो-तीन महिने पहले भी फोन पर बात हुई थी। उनके तबियत ठीक नहीं थी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों से गाना छोड़ दिया है। उनका गायन और आत्म-प्रचार के प्रति यह अनासक्त भाव मुझे आश्चर्यचकित करता रहा। नय्यारा नूर, मलिका पुखराज, नूरजहां और मेहदी हसन जैसे लोगों ने पाकिस्तान की इज्जत बढ़ाई और अपनी प्रतिभा से पाकिस्तानियों को आनंदित किया लेकिन जैसा कि राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने कहा था कि 'हर पाकिस्तान के दिल में एक हिंदुस्तान धड़कता है', उनकी यह कहानी नय्यारा नूर जैसे कई महान कलाकारों के लिए एकदम सही बैठती है। नय्याराजी को हार्दिक श्रद्धांजलि !!

कार्टून

तालिबानी शासन में मीडिया का मर्दन

लेखक- पुष्परंजन

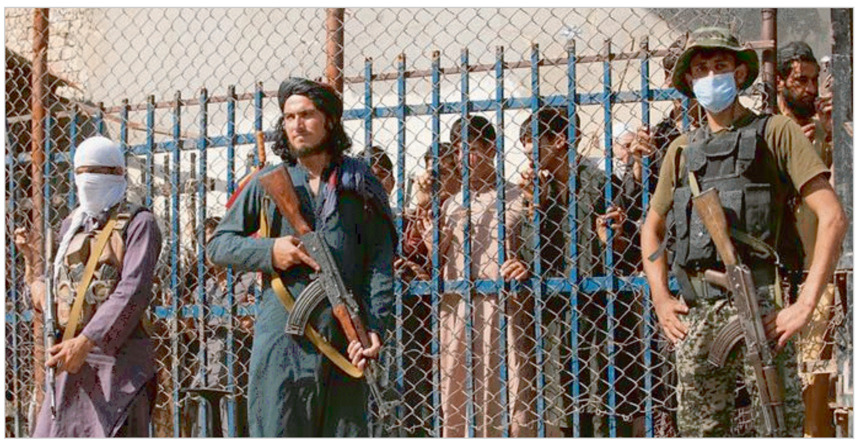

न्यूज़ एजेंसी से ही आर्थिक मंत्रालय के हवाले से जानकारी मिली कि साल भर में तालिबान शासन ने कर वसूली में 66 फीसद का इज़ाफ़ा किया है। नागरिक समय पर कर चुका रहे हैं, और करप्शन पर इस्लामिक अमीरात तेज़ी से काबू पा रहा है। साल भर में 3,255 लोग विभिन्न अपराधों में पकड़े गये हैं। सरकारी टीवी और रेडियो ने तालिबान शासन की उपलब्धियों को बघारते हुए बताया कि सुरक्षा प्रयास मज़बूत हो रहे हैं, अफ़ीम की खेती नहीं हो पा रही है, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो रहा है। अफ़ग़ान समाज अपराध व भ्रष्टाचार से मुक्त हो रहा है।

सोमवार को तालिबान ने अपने शासन के एक साल पूरे होने पर राजधानी काबुल में जुलूस का आयोजन किया था। विजय जुलूस में साइकिलों-मोटरसाइकिलों पर सवार दाढ़ीनुमा तालिबान लड़ाकों ने अमेरिकी दूतावास के चक्कर लगाये। वे शहादा उकेरे श्वेत अमीराती ध्वज और बंदूकें लहराते नारे बुलंद कर रहे थे, 'इस्लाम ज़िंदाबाद-अमेरिका मुर्दाबाद!' इस घटना को कवर करने वाले पत्रकारों की संख्या गिनी-चुनी थी। तालिबान की पूरी निर्भरता काबुल स्थित बख्तार न्यूज़ एजेंसी पर है। साल भर पहले 'इस्लामिक अमीरात' के सत्ता में आने के दौरान जिस तरह जान-माल की तबाही हुई, उसका ज़िक्र बख्तार न्यूज़ एजेंसी नहीं करती। बारह महीनों में भयावह बेरोज़गारी, महंगाई, औरतों के हुकूक छीने जाना उसका विषय नहीं है। मीडिया की तबाही पर भी एक शब्द नहीं। तालिबान को जिस तरह की ख़बरें चाहिए, बस उसे परोसनी हैं। बख्तार न्यूज़ एजेंसी से ही आर्थिक मंत्रालय के हवाले से जानकारी मिली कि साल भर में तालिबान शासन ने कर वसूली में 66 फीसद का इज़ाफ़ा किया है। नागरिक समय पर कर चुका रहे हैं, और करप्शन पर इस्लामिक अमीरात तेज़ी से काबू पा रहा है। साल भर में 3,255 लोग विभिन्न अपराधों में पकड़े गये हैं। सरकारी टीवी और रेडियो ने तालिबान शासन की उपलब्धियों को बघारते हुए बताया कि सुरक्षा प्रयास मज़बूत हो रहे हैं, अफ़ीम की खेती नहीं हो पा रही है, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो रहा है। अफ़ग़ान समाज अपराध व भ्रष्टाचार से मुक्त हो रहा है। भूकंप में एक हज़ार लोग मर गये। अभी परवान में आई बाढ़ में पचास लोग मर चुके हैं, सौ लापता हैं, फिर भी सब कुछ अच्छा है। अफ़ग़ानिस्तान में जो लोग सत्ता में हैं, उन्हें इस बात का मुग़ालता है कि वहां की ज़मीनी सूचनाएं बाहर नहीं जा सकतीं। पेरिस में पत्रकारों की एक संस्था है, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर (आरएसएफ)। इसने अफ़ग़ानिस्तान में पत्रकारों की बदहाली पर एक सर्वे रिपोर्ट जारी की है, जिससे 'सबकुछ चंगा सी' की चिंदी-चिंदी उड़ गई है। इस सर्वे में इस्लामिक अमीरात ऑफ अफ़ग़ानिस्तान के पूरे एक साल का हिसाब है, जब 15 अगस्त, 2021 को ये सत्ता में आये थे। अफ़ग़ानिस्तान के 34 में से 11 प्रांतों में आपको महिला पत्रकार दिखेंगी ही नहीं। अफ़ग़ानिस्तान में कराये सर्वे से पता चलता है कि साल भर में पूरे देश में 39.59 मीडिया संस्थानों को बंद किया जा चुका है, और 59.86 प्रतिशत पत्रकार पेशे से हटाये जा चुके हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर के अनुसार, '15 अगस्त, 2021 से पहले अफ़ग़ानिस्तान में 547 मीडिया संस्थान अस्तित्व में थे। एक साल में सरकार ने हालात ऐसे कर दिये कि इनमें से 219 को ताला लगा देना पड़ा। 15 अगस्त, 2021 से पहले अफ़ग़ानिस्तान में 11,857 पत्रकार कार्यरत थे, आज की तारीख़ में केवल 4,759 रह गये हैं। जिनके साथ सबसे बुरा हुआ है, वो हैं महिला पत्रकार।' सर्वे पर यक़ीन करें, तो 76.19 प्रतिशत महिलाएं पत्रकारिता छोड़कर घर बैठ गई हैं। अफ़ग़ानिस्तान के बदग़िस, हेलमंड, दाइकुंदी, ग़ज़नी, वारदाक, निमरोज़, नूरिस्तान, पाकतिया, पाकतिका, समंगन और जाबुल, ये 11 प्रांत हैं, जहां से महिला पत्रकारों को उनके काम से बेदखल किया जा चुका है। जो 656 महिला सहाफी कार्यरत हैं, उनमें से 84.6 फीसदी काबुल वाले इलाके के गिर्द केंद्रित हैं। मतलब साढ़े 15 फीसदी महिला पत्रकार अफ़ग़ानिस्तान के 23 प्रांतों में गिनी-चुनी संख्या में मिल जाएंगी। बीबी खातेरा नेजत उत्तर-पश्चिम स्थित तख़ार प्रांत की राजधानी तालोख़ान में विगत सात वर्षों से रेडियो हमसदा में कार्यरत थीं। 8 अगस्त, 2021 को तालिबान लड़ाकों ने उस शहर पर कब्ज़ा किया, और सबसे पहले संचार साधनों पर हमला बोला। उन्होंने रेडियो हमसदा में तोड़फोड़ की, दरवाज़े पर ताला लगा दिया। खातेरा नेजत बताती हैं कि हम तालोख़ान छोड़कर काबुल आ गये, इस उम्मीद में कि कोई जॉब मिल जाए। मगर, तालिबान का दबाव इतना बढ़ा कि हम पाकिस्तान भाग आये। यहां आबोदाना और आशियाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। फिर भी, कुछ महिला पत्रकारों में संघर्ष का माद्दा है, और वो काबुल में टिकी रहीं। इनमें से एक, 'रूइदाद न्यूज' की डायरेक्टर मीना हबीब बताती हैं कि 15 अगस्त, 2021 को हमने इस संस्था की बुनियाद रखी। कठिन परिस्थितियों में हम काम कर रहे हैं। जिस चेहरे को स्क्रीन पर दिखना है, उसे पूरा कवर होना चाहिए। मीना हबीब की शिकायत है कि नये निज़ाम में बनाये नियम-कायदे केवल पुरुषों को पत्रकारिता करने के अवसर दे रहे हैं। मगर, जब 54.52 प्रतिशत पुरुष भी पत्रकारिता पेशे से बाहर किये जा चुके हैं, फिर कैसे कहें कि मीना हबीब का बयान दुरुस्त है? साल भर पहले 9,101 अफ़ग़ान पुरुष पत्रकारिता कर रहे थे। इनमें से 4,962 इस पेशे को छोड़ चुके हैं। अफ़ग़ान इंडिपिंडेंट जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष होजातुल्ला मोजादिदी कहते हैं, 'इस्लामिक अमीरात को एक कमेटी बनानी चाहिए, जो नियम-कायदे बनाये, और यह सुनिश्चित करे कि पत्रकारों को ख़बरों तक पहुंचने में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।' अफसोस, इस तरह की अपील का असर अमीरात सरकार पर नहीं है। अफ़ग़ानिस्तान में इस्लामिक अमीरात के आने से पूर्व एकमात्र खेल चैनल हुआ करता था, 'थ्री स्पोर्ट्स'। इस खेल चैनल के मालिक शफीकुल्ला सलीम पोया बताते हैं कि सबसे पहले हमारे रेवेन्यू पर चोट किया गया। फिर कई पाबंदियां हम पर आयद की गईं, कि खेल टीवी पर दिखाना और उस पर बहस ग़ैर इस्लामिक है। अंततः हमें चैनल बंद करना पड़ा। अफ़ग़ानिस्तान नेशनल जर्नलिस्ट यूनियन के सदस्य मसरूर लुत्फी इस बात की उम्मीद करते हैं कि शासन के दूसरे साल में शायद इस्लामिक अमीरात मीडिया नीति बनाये और स्थिति सुधारने पर सोचे। नेशनल जर्नलिस्ट यूनियन के मुख्य कार्यकारी अहमद शोएब फ़ना प्रिंट मीडिया सूरतेहाल पर बताते हैं कि देश में आज की तारीख़ में एक भी अखबार मुद्रित नहीं हो रहा। करीब पांच साल पहले काबुल समेत दूसरे प्रांतों में पन्द्रह हज़ार अखबार प्रकाशित होते थे, और शहरों-क़स्बों में बंटते थे। 2021 से पहले घटकर डेढ़ सौ अखबार रह गये थे। काबुल से एक राष्ट्रीय अख़बार प्रकाशित होता था, 'अरमान मिली'। इसके मालिक सैयद शोएब परसा बताते हैं कि हमारे अंतिम 22 कर्मचारी अख़बार बंद होने के बाद सड़क पर आ गये। पेरिस में एक और संस्था है, फेडरेशन इंटरनेशनाले जर्नलिस्ट (एफआईजे)। दुनियाभर में इसके कोई छह लाख सदस्य हैं। 'एफआईजे' से संबद्ध 'साउथ एशिया मीडिया सॉलिडरिटी नेटवर्क' ने पूरी दुनिया में अपील की है कि अफ़ग़ानिस्तान में पत्रकारों के हालात सुधारने में मदद करें। लेकिन क्या वाकई दुनिया इस अपील पर संज़ीदा है?

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

धर्म

महत्वाकांक्षा

श्रीराम शर्मा आचार्य

परिस्थितियों की अनुकूलता की प्रतिज्ञा करते-करते असल मकसद दूर पड़ा रह जाता है। हमें जीवन में जो कष्ट है, जो हमारा लक्ष्य है, उसे हम परिस्थिति के प्रपंच में पड़ कर विस्मृत कर रहे हैं। होना यह चाहिए था कि परिस्थितियों के तकाजों की उपेक्षा करके भी अपने जीवन के महत्तर मकसदों का स्मरण रखते। निरंतर सत्प्रयासों द्वारा उसको हासिल करने की दिशा में चेष्टारत होते। पर नहीं। मैं पूछता हूं; यदि आपके पास कीमती फाउंटेन पेन नहीं है, बढ़िया कागज और फर्नीचर नहीं है, तो क्या आप कुछ न लिखेंगे? यदि उत्तम वस्त्र नहीं हैं तो क्या उन्नति नहीं करेंगे? यदि घर में बच्चों ने चीजें अस्त-व्यस्त कर दी हैं या झाड़ू नहीं लगा है, तो क्या आप क्रोध में अपनी शक्तियों का अपव्यय करेंगे? यदि आपकी पत्नी के पास उत्तम आभूषण नहीं हैं तो क्या वे असुंदर कहलायेंगी या घरेलू शांति भंग करेंगी? यदि आपके घर के इर्द-गिर्द शोर होता है, तो क्या आप कुछ भी न करेंगे? यदि सब्जी, भोजन, दूध इत्यादि ऊंचे स्टैन्डर्ड का नहीं बना है, तो क्या आप बच्चों की तरह आवेश में भर जाएंगे? नहीं। आपको ऐसा कदापि नहीं करना चाहिए। परिस्थितियां मनुष्य के अपने हाथ की बात है। मन के सामर्थ्य एवं आंतरिक स्वावलम्बन द्वारा हम उन्हें विनिर्मित करने वाले हैं। हम जैसा चाहें जब चाहें सदैव कर सकते हैं। कोई भी अड़चन हमारे मार्ग में नहीं आ सकती। मन की आंतरिक सामर्थ्य के सम्मुख प्रतिकूलता बाधक नहीं हो सकती। सदा जीतने वाला पुरु षार्थी वह है जो सामर्थ्य के अनुसार परिस्थितियों को बदलता है। किंतु यदि वे बदलती नहीं तो स्वयं अपने आपको उन्हीं के अनुसार बदल लेता है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में उसकी मनः शांति और दिमागी संतुलन स्थिर रहता है। विषम परिस्थितियों के साथ वह अपने आपको समायोजित करता चलता है। निराश न होइए यदि आपके पास बढ़िया मकान, उत्तम वस्त्र, टीपटाप, ऐर्य इत्यादि वस्तुएं नहीं हैं। इनका अभाव बना हुआ है। आपको विश्वास करना चाहिए कि ये आपकी उन्नति में बाधक नहीं हैं। उन्नति की मूल वस्तु-महत्त्वाकांक्षा है। न जाने मन के किस अतल गह्वर में यह अमूल्य सम्पदा लिपटी पड़ी हो किंतु आप गह्वर में हैं अवश्य। आत्म-परीक्षा कीजिये और इसे खोजकर निकालिये।

विचार मंथन

खालिस्तान का होगा खात्मा

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

केंद्र सरकार खालिस्तानी नेटवर्क और ड्रग ट्रैफिकिंग मॉड्यूल के खिलाफ ऐक्शन लेने की तैयारी में है। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य जांच एजेंसी को दिल्ली से सटे 5 राज्यों में खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय ने यह फैसला एनआईए, ईडी, आईबी और रॉ के साथ हुई अहम बैठक के बाद लिया है। बैठक में दिल्ली पुलिस समेत पांच राज्यों की पुलिस मौजूद थी। जांच एजेंसी खालिस्तानी एक्टिविटी पर नजर रखेगी और उनके ऊपर केस दर्ज करेगी। दरअसल, कुछ महीने दिल्ली और आसपास के राज्यों में विस्फोटक बरामद हुए थे। ईडी और आईबी को आशंका है कि उनके पीछे आईएसआई और पाकिस्तान में मौजूद खालिस्तानी संगठनों का हाथ है। जांच एजेंसी के मुताबिक ये संगठन देश में बड़े हमले को अंजाम देना चाहते हैं। उसके लिए इन संगठनों को विदेशों से फंडिंग हो रही। एनआईए इसकी भी जांच करेगी कि इन संगठनों को विदेशी फंडिंग कहां से आ

रही है। केंद्र सरकार ने 5 खालिस्तानी संगठन को अपना टारगेट बनाया है। इनमें खालिस्तानी लिबरेशन फ्रंट, बब्बर खालसा इंटरनेशनल, सिख यूथ फेडरेशन, सिख फॉर जस्टिस और खालिस्तान टाइगर फोर्स आदि संगठन शामिल हैं। इन संगठनों पर केस दर्ज करने के लिए केंद्र सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके चलते खालिस्तानी संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक एनआईए ड्रोन के जरिये हथियार, आईईडी, विस्फोटक भेजने पर खालिस्तानी गैंग और उससे जुड़े संगठनों पर नजर रखेगी। खालिस्तानी नेटवर्क पर सरकार का सख्त रवैया बिल्कुल सही है। भारत ने करीब डेढ़ दशक तक पंजाब के आतंकवाद को झेला है और इसकी भारी कीमत चुकाई है। हजारों निर्दोष भारतीय नागरिक आतंकवादियों की हिंसा का शिकार हुए। अब इस दौर में खालिस्तान की मांग करने वालों की आवाज उस देश से आई है जो आतंकवाद के खात्मे में हर तरह से भारत के साथ होने का दावा करता रहा है और खुद भी इसके खतरों से दो-चार रहा है। सिख फॉर जस्टिस यूरोप के कई देशों में सक्रिय है। अमेरिका और कनाडा में इसके तार हैं। भारत को उन देशों की सरकारों पर भी दबाव बनाना होगा जहां खालिस्तान के नाम पर आज भी गतिविधियां जारी हैं। लंदन में खालिस्तान समर्थकों की रैली को लेकर सवाल तो उठता ही है कि ब्रिटेन की सरकार ने यह जानते हुए भी कि खालिस्तान की मांग भारत की एकता-अखंडता पर हमला है, इस रैली के लिए इजाजत दी! पंजाब के साथ पूरे देश ने खालिस्तान का खौफनाक और जानलेवा दौर देखा है। पंजाब के शहरों की तंग गलियों से खाड़कुओं को, नंगी तलवारें और रिवॉल्वर, बंदूक के साथ, भागते देखा है। उस समय जांबाज पुलिस अफसर केपीएस गिल के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने ही खालिस्तान आंदोलन की कमर तोडने का बड़ा काम किया था। भिंडरावाला सरीखे आतंकी को ढेर कर दिया था। खालिस्तान आंदोलन ने इस देश को कई गहरे घाव दिए हैं।

खालिस्तान आंदोलन ने ही देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्याएं की थीं। लिहाजा अब कोई भी सोच या साजिश हो, हम खालिस्तान को करवट लेते नहीं देख सकते। खालिस्तान आंदोलन ने पंजाब को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पंजाब का आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचा खालिस्तान आंदोलन ने छिन्न-भिन्न करने का काम किया था।

सुरक्षा की चुनौती

सुविधा के बावजूद डाटा सुरक्षा की चुनौती

लेखक - अभिषेक कुमार सिंह

दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बाकायदा ढोल-नगाड़े बजाकर जो डिजिटल यात्रा सिस्टम शुरू किया गया है, उसमें यात्रियों को एयरपोर्ट में दाखिल होने के लिए कैमरे के सामने अपना चेहरा दिखाना होगा। सिस्टम में मौजूद डाटा से चेहरे का मिलान होने पर वे एयरपोर्ट के अंदर दाखिल हो पाएंगे। विमान में सवार होने से पहले यात्रियों की अनिवार्य जांच में लगने वाले समय की बचत के उद्देश्य से शुरू किए गए इस सिस्टम के तमाम फायदे हो सकते हैं, लेकिन जिन तर्कों के साथ अमेरिका तक में इसके इस्तेमाल पर रोक लगी है, क्या वे नुकसान हमारे देश में नहीं हैं। तकनीक के नजरिए से देखें तो यह एक किस्म का बायोमेट्रिक सॉफ्टवेयर है। यह सॉफ्टवेयर किसी व्यक्ति के चेहरे की विशेषताओं को गणितीय रूप से मैप करता है। संगृहीत डाटा को फेसप्रिंट के रूप में जमा करता है। इस सॉफ्टवेयर में किसी व्यक्ति की पहचान के लिए डीप लर्निंग एल्गोरिदम का प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार चेहरे की विशेषताओं के आधार पर लोगों की पहचान करने का यह कम्प्यूटरीकृत तरीका है, जिसमें कैमरे का इस्तेमाल होता है। उड्डयन मंत्रालय की परियोजना डिजीयात्रा एप की मदद से विमान यात्रियों को हवाई अड्डे में दाखिल होने के लिए लगने वाली लंबी कतार और पहचान के तमाम दस्तावेज दिखाने से बचाने के उद्देश्य से इस तकनीक का परीक्षण 2017 में ही शुरू हो गया था। शुरुआत में एक जुलाई, 2019 से हैदराबाद स्थित राजीव गांधी एयरपोर्ट पर इस फेस रिकॉग्निशन सिस्टम की शुरुआत ट्रायल के तौर पर की गई थी। एंड्रायड सिस्टम पर आधारित डिजीयात्रा एप या कहें कि इस तकनीक की मदद से एयरपोर्ट में प्रवेश, सुरक्षा जांच और बोर्डिंग गेट तक यात्री आसानी से पहुंच सकते हैं। दावा है कि अब से प्रत्येक यात्री को प्रत्येक टचपॉइंट पर तीन सेकंड से कम समय की आवश्यकता होगी। एयरपोर्ट पर तकनीक से जुड़ा सिस्टम यात्री के चेहरे और टिकट के कोड को स्कैन करने के बाद ही यात्रियों के लिए एंट्री गेट खोल देगा। डिजीयात्रा यानी डिजिटल यात्रा प्रोजेक्ट में एक बार रजिस्टर हो जाने के बाद यात्रियों को बार-बार एयरपोर्ट में दाखिल होने के लिए अपने दस्तावेज दिखाने नहीं होंगे। ऐसी स्थिति में उनका चेहरा ही बोर्डिंग पास होगा। सुरक्षा एजेंसी- सीआईएसएफ द्वारा अंतिम जांच से पहले भी वहां चेहरे को स्कैन करने वाले कैमरों से उस यात्री के बारे में तमाम जानकारी सीआईएसएफ के सामने होगी। इस सिस्टम में चेहरे के मिलान के साथ ही ऑनलाइन या ऑफलाइन टिकट के कोड को सीआईएसएफ द्वारा स्कैन किया जाएगा। दोनों का मिलान होने पर ग्रीन सिग्नल मिलेगा और इसी के साथ एयरपोर्ट में एंट्री करने के लिए फ्लैप गेट खुल जाएगा। साथ ही इसका फायदा यह बताया गया है कि प्रोजेक्ट पूरी तरह से शुरू होने के बाद ऐसे यात्रियों को एयरपोर्ट के एंट्री गेट पर ही रोक दिया जाएगा, जिनके पास फर्जी या एडिट किए हुए टिकट होते हैं। फर्जी टिकट होने पर फेस रिकॉग्निशन में रजिस्टर्ड होने के बाद भी फ्लैप गेट नहीं खुलेगा। एयरपोर्ट के अलावा इस तकनीक को रेलवे स्टेशनों पर भी आजमाने की तैयारी बताई जा रही है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह तकनीक फुलप्रूफ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित इस स्वचालित तकनीक में अमूमन कोई नुक्स नहीं होना चाहिए पर दुनियाभर में सामने आए कई मामले इस तकनीक को संदेह के घेरे में लाते हैं। जैसे, वर्ष 2019 में ब्रिटेन में सामने आए एक मामले की स्वतंत्र जांच-रिपोर्ट से खुलासा हो चुका है कि लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस की चेहरा पहचानने वाली तकनीक द्वारा पहचाने गए पांच संदिग्ध अपराधियों में से चार यानी 80 फीसदी लोग निर्दोष थे। इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होते ही ब्रिटेन के लोग गुस्से से उबल पड़े। इस रिपोर्ट के सामने आने से दो महीने पहले मई, 2019 में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर ने अपने यहां चेहरे से पहचान की तकनीक को प्रतिबंधित कर दिया था। इस फैसले पर अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन का कहना था कि चेहरे से पहचान स्थापित करने जैसी निगरानी तकनीक दरअसल सरकार को आम लोगों के दैनिक जीवन की निगरानी का असाधारण अधिकार देती है।

सोना और चांदी की कीमत हुई कम

नई दिल्ली । सोने एवं चांदी की वायदा कीमतों में सोमवार को गिरावट का रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह अक्टूबर, 2022 में डिलीवरी वाले सोने में 154 रुपए की टूट के साथ 51,325 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने की कीमत 51,479 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थी। वहीं दिसंबर में डिलीवरी वाले सोने में 184 रुपए के भाव कमी के साथ 51,554 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 51,738 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। एमसीएक्स पर सितंबर, 2022 में डिलीवरी वाली चांदी की कीमत में 368 रुपए की टूट के साथ 55,496 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इससे पहले शुक्रवार को सितंबर अनुबंध वाली चांदी की कीमत 56,488 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। वहीं दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी में 332 रुपए की गिरावट के साथ 56,156 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इससे पिछले सत्र में चांदी 56,488 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी।

रक्षा कंपनी गार्डन रीच 23 पोतों का कर रही निर्माण, इनमें से सात विदेशों के लिए

कोलकाता । रक्षा के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित सार्वजनिक कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) वर्तमान में 23 पोतों का विनिर्माण कर रही है जिनमें से सात पोत अन्य देशों के लिए बनाए जा रहे हैं। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक कोमोडोर (सेवानिवृत्त) पी आर हरि ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सभी पोत इस समय विनिर्माण के विविध चरणों में हैं। जीआरएसई को भारतीय नौसेना के लिए तीन आधुनिक पोत बनाने का 19,294 करोड़ रुपये का ठेका भी मिला है जो उसके लिए गौरव की बात है। इनमें से दो पोत वह बना चुकी है और तीसरे का निर्माण तेज गति से चल रहा है। हरि ने कहा, 'जीआरएसई 23 पोतों का विनिर्माण कर रही है जिनमें से सात अन्य देशों के लिए हैं।' कोलकाता की यह युद्धपोत विनिर्माता कंपनी बांग्लादेश के लिए छह गश्ती नौकाएं तथा गुआना के लिए यात्री और सामान के आवागमन के लिए एक पोत बना रही है। हरि ने बताया कि जीआरएसई नौसेना के लिए आठ पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत भी बना रही है।

भारत में 5जी स्मार्टफोन की ऑनलाइन खोज 2 गुना बढ़ी

नई दिल्ली: ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने सोमवार को कहा कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 2022 की पहली छमाही में फिलपकार्ट पर 5जी स्मार्टफोन की खोज में लगभग 2 गुना वृद्धि हुई है.प्लेटफॉर्म बिक्री के रुझानों के अनुसार, 10,000-15,000 रुपये में 5जी स्मार्टफोन की मांग में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 2022 की पहली छमाही में लगभग चार गुना वृद्धि देखी गई है. उन शीर्ष पांच राज्यों में जहां ग्राहक 5जी स्मार्टफोन की तलाश में हैं, उनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु शामिल हैं. 5जी स्पेक्ट्रम की सफल नीलामी के बाद देश इस साल 5जी युग में प्रवेश करने की तैयारी कर रहा है, इसलिए यह प्रवृत्ति और तेज होने वाली है. फ्लिपकार्ट में मोबाइल्स के सीनियर डायरेक्टर कुणाल गुप्ता ने कहा कि पिछली कुछ तिमाहियों में, हमने 5जी स्मार्टफोन की बढ़ती मांग देखी है, जो महानगरों और छोटे शहरों में हाई इंटरनेट स्पीड प्रदान करेगा, जिसमें लगभग 75 प्रतिशत खोजें टियर 2 और उसके बाद के शहरों से आ रही हैं. माइक्रोसॉफ्ट, सैमसंग, ओप्पो, वीवो, रियलमी और पोको सहित कई ब्रांडों ने विभिन्न कीमतों पर 12,999 रुपये से शुरू होने वाले 5जी स्मार्टफोन की एक विस्तृत सीरीज लॉन्च की है. काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार, देश में 5जी क्षमता वाले स्मार्टफोन का स्थापित आधार 5 करोड़ को पार कर गया है.

सेंसेक्स ने लगाया 872 अंक का गोता, निफ्टी भी 268 अंक टूटा

मुंबई:

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 872.28 अंक लुढ़ककर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच बैंक शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में नुकसान में खुला और अंत में 872.28 अंक यानी 1.46 प्रतिशत लुढ़ककर 58,773.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 941.04 अंक तक नीचे टूट गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 267.75 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,490.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टुब्रो, विप्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, आईटीसी और नेस्ले इंडिया बढ़त में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिका में वॉल स्ट्रीट में शुक्रवार को नुकसान रहा था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 95.80 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को 1,110.90 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

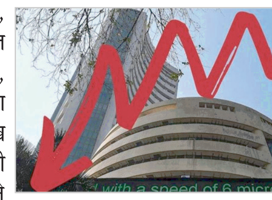

रुपया 79.84 प्रति डॉलर पर स्थिर

मुंबई,

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को 79.84 (अस्थायी) के भाव पर अपरिवर्तित बना रहा। इसका कारण विदेशी बाजारों में डॉलर का मजबूत रहना और शेयरों में भारी बिकवाली थी। बाजार सूत्रों ने कहा कि हालांकि कच्चे तेल की नरम कीमतों की वजह से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.90 के स्तर पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान रुपया 79.78 से 79.92 के दायरे में घटबढ़ के बाद अंत में 79.84 प्रति डॉलर पर अपरिवर्तित रुख लिए बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत बढ़कर 108.38 हो गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.81 प्रतिशत घटकर 95.94 डॉलर प्रति बैरल रह गया। इसके अलावा बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 872.28 अंक के नुकसान के साथ 58,773.87 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 1,110.90 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

म्युचुअल फंड से निवेशकों ने जून तिमाही में निकाले 70,000 करोड़

नई दिल्ली । निवेशकों ने लगातार तीसरी तिमाही में म्यूचुअल फंड से पैसे निकालना जारी रखा। अप्रैल-जून तिमाही में उच्च मुद्रास्फीति और नीतिगत दरों के बढ़ने से निवेशकों ने म्युचुअल फंड से 70,000 करोड़ रुप से अधिक निकाले। ट्रस्ट म्युचुअल फंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी संदीप बागला ने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि तरलता कम होने और उच्च नियामक दरों के लिहाज से मौद्रिक परिस्थितियां सख्त होंगी। इससे म्युचुअल फंड ऋण कोष में से और निकासी हो सकती है। बाजार के जानकारों ने कहा कि आगामी तिमाहियों में डेट म्युचुअल फंड में फ्लो तय करने में ब्याज दर अहम कारक होगी। दरों में स्थिरता आने पर प्रवाह की उम्मीद की जा सकती है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एम्फी के मुताबिक हालिया निकासी की वजह से ऋण निश्चित आय फंड के लिए फंड मैनेजरों द्वारा मैनेज की जाने वाली परिसंपत्तियां जून महीने के अंत में पांच फीसदी घटकर 12.35 लाख करोड़ रुपए की रह गईं जो मार्च के अंत में करीब 13 लाख करोड़ रुपये थीं। वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में आय श्रेणी के तहत प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियां 14.16 लाख करोड़ रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गई थीं लेकिन तब से इसमें लगातार गिरावट आ रही है और जून 2022 आने तक यह 13 फीसदी तक कम हो गईं। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही में डेट म्युचुअल फंड (ओपन एंडेड फिक्स्ड इनकम म्युचुअल फंड) से 70,213 करोड़ रुपए की निकासी हुई। अप्रैल में इस श्रेणी में 54,756 करोड़ रुपए का निवेश आया था लेकिन मई और जून में परिदृश्य बदल गया और इन दो महीनों में निवेशकों ने क्रमशः 32,722 करोड़ रुपए और 92,247 करोड़ रुपए निकाल लिए।

चीन को विकास दर घटने की चिंता, सुस्त आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार देने के लिए घटाई ब्याज दर

नई दिल्ली:

भारत, अमेरिका सहित दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं जहां महंगाई को थामने के लिए अपनी ब्याज दरों में धड़ाधड़ बढ़ोतरी कर रही हैं, वहीं चीन को अपनी विकास दर घटने की चिंता सता रही है और उसने आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार देने के लिए ब्याज दरों में कटौती कर दी। जुलाई में फैक्टरी उत्पादन और खुदरा बिक्री में बड़ी गिरावट को देखते हुए चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को अप्रत्याशियत रूप से घटा दिया है। जून-जुलाई के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अपनी विकास दर गिरने का खतरा दिख रहा है। जुलाई में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 3.8 फीसदी रही, जो इसी साल जून के 3.9 फीसदी से कम है, जबकि रॉयटर के पोल में अर्थशास्त्रियों के लगाए 4.6 फीसदी अनुमान से काफी पीछे है। इसके बाद चीन के केंद्रीय बैंक ने देश में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए ब्याज दर 0.10 प्रतिशत घटाकर 2.75 प्रतिशत कर दी है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने इसके साथ बैंकों को अतिरिक्त 400 अरब युआन (60 अरब डॉलर) उपलब्ध कराया है।

खुदरा बिक्री में भी सुस्ती

जुलाई में खुदरा बिक्री बीते साल के मुकाबले सिर्फ 2.7 फीसदी अधिक रही, जो जून में 3.1 फीसदी थी और सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने 5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। चीन के वरिष्ठ अर्थशास्त्री जूलियन इवांस ने कहा, जुलाई के आर्थिक आंकड़े प्री लॉकडॉन की रिकवरी में सेंध लगा रहे हैं। प्रॉपर्टी सेक्टर में मॉर्गेज का बाइकॉट किए जाने से रिटेल क्षेत्र पर बड़ा असर पड़ा है। कई शहरों और टूरिस्ट प्लेस पर दोबारा लॉकडाउन लगाए जाने की वजह से भी आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा है।

प्रॉपर्टी सेक्टर में 30% गिरावट

सबसे ज्यादा असर चीन के प्रॉपर्टी सेक्टर पर पड़ा है और यहां निवेश में जुलाई के दौरान 12.3 फीसदी की कमी आई, जो इस साल सबसे तेजी से घटा है। अगर नई प्रॉपर्टी बिक्री की बात करें तो इसमें भी 28.9 फीसदी की बड़ी गिरावट दिख रही है। रोजगार के मोर्चे पर भी चीन की चिंता बढ़ रही है। देशभर में कराए सर्वे के मुताबिक, बेरोजगारी दर जुलाई में थोड़ा घटकर 5.4 फीसदी पहुंची है, जो जून में 5.5 फीसदी थी लेकिन, युवाओं में बेरोजगारी दर जुलाई के दौरान 19.9 फीसदी दिखी, जो काफी ज्यादा है।

चावल, दाल और तिलहनी फसलों का बुआई क्षेत्र आठ फीसदी घटा

- उत्पादन कम होने से दाम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

देश में चालू खरीफ सीजन में धान की बुआई का क्षेत्रफल घटा है। पिछले हफ्ते तक इसका रकबा 8.25 फीसदी की कमी के साथ 343.70 लाख हेक्टेयर रहा है। कृषि मंत्रालय ने बताया कि दलहन और तिलहन का बुआई क्षेत्र रकबा घटा है। मंत्रालय के अनुसार खरीफ सीजन की सभी फसलों का रकबा 1,012.99 लाख हेक्टेयर रहा है जो पिछले वर्ष की तुलना में 25.52 लाख हेक्टेयर कम है। धान एक प्रमुख खरीफ फसल है। खरीफ की फसलों की बुआई जून में दक्षिण पश्चिमी मानसून के आगमन के साथ शुरू की जाती है। सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 18 अगस्त तक देशभर में धान की बुआई इस खरीफ सीजन में 343.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है जो पिछले वर्ष के 374.63 लाख हेक्टेयर की तुलना में कम है। बारिश कम होने की वजह से झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों में धान की बुआई कम हुई है।

दालहन (दाल देने वाली फसलें) की बुआई का रकबा भी पिछले वर्ष की तुलना में 7.08 लाख हेक्टेयर घटकर 18 अगस्त तक 125.57 लाख हेक्टेयर रहा है. तुर, उड़द, मूंग और कुल्थी दाल का बुआई क्षेत्र पिछले साल के मुकाबले थोड़ा घटा है। वहीं तिलहन का पिछले हफ्ते रकबा 184.42 लाख हेक्टेयर जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 185.85 लाक हेक्टेयर रहा था। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रकबा घटने के बावजूद इस पर कई फसलों का रिकॉर्ड उत्पादन होने वाला है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा जारी अग्रिम अनुमान के मुताबिक 2021-22 में 31.5 करोड़ टन खाद्यान उत्पादन का अनुमान है जो 2020-21 से करीब 50 लाख टन अधिक है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, चावल, गेहूं, गन्ना, मोटे अनाज, दलहन और तिलहन सभी के उत्पादन पिछले 5 वर्षों के औसत उत्पादन से अधिक रहने वाला है। हालांकि, सरकार ने यह नहीं बताया है कि पिछले साल के मुकाबले इनकी क्या स्थिति है। कई रिपोर्ट्स और रकबे में कमी को देखते हुए लगता है कि 2020-21 के मुकाबले इस बार कई मुख्य खाद्यान का उत्पादन कम रहने वाला है।

सरकार की गेहूं आयात करने की कोई योजना नहीं: सरकारी सूत्र

नई दिल्ली । सरकार की गेहूं आयात करने की कोई योजना नहीं है और देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए उसके पास पर्याप्त भंडार है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास सार्वजनिक वितरण के लिए पर्याप्त भंडार है। एक सूत्र ने कहा कि भारत की गेहूं आयात करने की कोई योजना नहीं है। देश में हमारी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार है। उन्होंने यह टिप्पणी कुछ खबरों के संदर्भ में की, जिनमें कहा गया था कि भारत आने वाले समय में गेहूं का आयात कर सकता है। भारत का गेहूं उत्पादन लगभग तीन प्रतिशत घटकर 10.684 करोड़ टन रहने का अनुमान है। हालांकि फसल वर्ष 2021-22 में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.572 करोड़ टन होने का अनुमान है। दरअसल देश के उत्तरी राज्यों- पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसल पकने के समय भीषण गर्मी पड़ने से गेहूं का उत्पादन कम होने का अनुमान है। कृषि मंत्रालय की तरफ से हाल ही में जारी फसल वर्ष 2021-22 के चौथे अग्रिम अनुमान के अनुसार चावल, मक्का, चना, दलहन, तिलहन और गन्ने का उत्पादन नया रिकॉर्ड बना है।

जियोमी ने 900 कर्मचारियों की छंटनी कर दी

नई दिल्ली ।

वैश्विक आर्थिक संकट और महंगाई का असर कंपनियों पर दिखने लगा है। चीनी स्मार्टफोन निर्माता जियोमी ने दूसरी तिमाही में राजस्व में 20 फीसदी की गिरावट के बाद छंटनी शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट के मुतबाकि कंपनी ने 900 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जियोमी ने लगभग 3 फीसदी कर्मचारियों को निकाल दिया है। हालांकि कंपनी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। जुलाई और अगस्त में कई बड़ी कंपनियों जैसे माइक्रोसॉफ्ट, टेस्ला, रॉबिनहुड, ओला समेत कई मल्टीनेशनल कंपनियों ने छंटनी शुरू कर दी है। कई कंपनियां छंटनी करने वाली हैं। इसी कड़ी में स्मार्टफोन कंपनी शाओमी और ई-कॉमर्स जायंट वेफेयर ने भी छंटनी की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार जून तिमाही (दूसरी तिमाही) में राजस्व में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसके बाद नौकरियों में कटौती का फैसला किया गया है। जियोमी की बिक्री साल-दर-साल 20 फीसदी गिरकर 70.17 बिलियन युआन हो गई। बाजार के जानकारों का अनुमान है कि स्मार्टफोन निर्माता की शुद्ध आय 67 फीसदी गिरकर 2.08 बिलियन युआन रह गई है। कंपनी के अनुसार 870 कर्मचारियों को बाहर किया जाएगा। यह कंपनी के कर्मचारियों की संख्या का 5 फीसदी होगा। ग्लोबल आर्थिक संकट का असर कई सेक्टरों पर दिखने लगा है! रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर की करीब 342 टेक कंपनियों और स्टार्टअप के 43,000 कर्मचारियों की छंटनी की गई है। इसमें से 13 फीसदी छंटनी होने वाले कर्मचारी भारत के भी हैं।

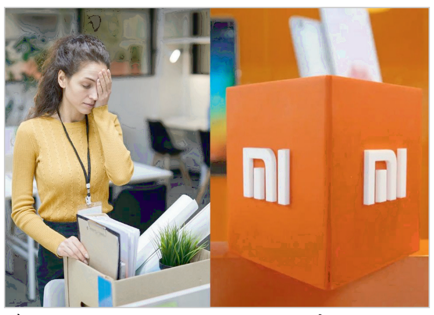

पांच दिन तक सस्ता सोना खरीदने का मौका

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक की सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना की वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी श्रृंखला सोमवार 22 अगस्त से पांच दिनों के लिए है। इस योजना के तहत सोने की खरीद पर छूट मिल रही है। इस योजना में कोई भी निवेशक गोल्ड बॉन्ड खरीद सकता है। इस बांड के लिए मूल्य 5,197 रुपए प्रति ग्राम तय किया गया है। आरबीआई ने कहा कि ऑनलाइन या डिजिटल माध्यम से स्वर्ण बॉन्ड खरीदने वाले निवेशकों के लिए बॉन्ड की कीमत 50 रुपए प्रति ग्राम कम होगी। ऑनलाइन निवेशक करने वालों के लिए स्वर्ण बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5147 रुपए प्रति ग्राम है। सरकार नवंबर 2015 से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम चला रही है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में रिजर्व बैंक ने 10 किस्तों में गोल्ड बॉन्ड स्कीम पेश की जिसमें कुल 12,991 करोड़ रुपए के गोल्ड बॉन्ड जारी किए गए थे। इस योजना के तहत व्यक्तिगत खरीदार कम से कम एक ग्राम और अधिकतम चार किलोग्राम सोना खरीद सकता है। वहीं एचयूएफ के लिए यह सीमा 4 किलोग्राम और ट्रस्ट या ऐसी ही संस्थाओं के लिए सीमा 20 किलोग्राम है। ये गोल्ड बांड भारत के नागरिक, अविभाजित हिंदू परिवार (एचयूएफ), ट्रस्ट, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जा सकते हैं। इस गोल्ड बांड स्कीम में पांचवें साल से निवेशक अपने पैसे निकाल सकते हैं। हालांकि इसकी परिपक्वता अवधि आठ साल की रखी गई है। साल 2015-16 में गोल्ड बांड स्कीम के पहले चरण में 2,684 रुपए प्रति ग्राम भाव तय किया गया था। अगर किसी ने इसे मई 2021 में भुनाया होगा तो उसे 80 फीसदी का मुनाफा मिला होगा क्योंकि उस समय इस बांड का भाव 4,837 रुपए प्रति ग्राम था।

कंपनियों के रजिस्टर्ड एड्रेस के फिजिकल वेरिफिकेशन नियमों में सरकार ने किया संशोधन

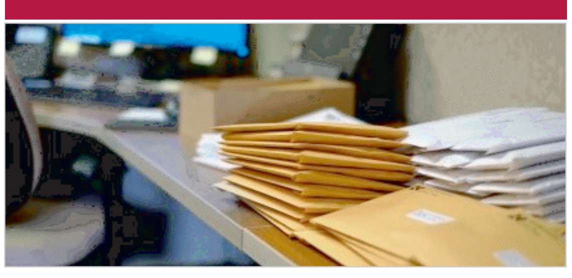

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कंपनियों के पंजीकृत पते (रजिस्टर्ड एड्रेस) के फिजिकल वेरिफिकेशन के समय पारदर्शी प्रक्रिया तय करने के लिए नियमों को संशोधित किया है। अब वेरिफिकेशन के समय रजिस्टर्ड कंपनी ऑफिस की तस्वीर लेने और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी का तरीका अपनाया जाएगा। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने इसके लिए कंपनी एक्ट, 2014 के तहत निर्धारित वेरिफिकेशन नियमों को संशोधित कर दिया है और सरकारी गजट में नोटिफाई होने के साथ ही यह प्रभाव में आ जाएगा। खबर के मुताबिक, एक्ट की धारा 12 के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को अगर यह लगता है कि कोई कंपनी सही ढंग से कारोबार नहीं कर रही है, तो वह उसके रजिस्टर्ड एड्रेस का फिजिकल वेरिफिकेशन कर सकता है। इस संशोधन के साथ ही इस तरह के फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया निर्धारित कर दी गई है।

कंपनी मामलों के मंत्रालय ने कहा कि कंपनियों के रजिस्टर्ड एड्रेस का फिजिकल वेरिफिकेशन करते समय स्थानीय स्तर के दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी जरूरी होगी। जरूरी होने पर स्थानीय पुलिस की भी मदद ली जा सकती है। कंपनी के रजिस्ट्रेशन के समय दिए गए एड्रेस से जुड़ी इमारत के दस्तावेजों का भी परीक्षण करना जरूरी होगा।

इसके अलावा उस रजिस्टर्ड एड्रेस वाली जगह की एक तस्वीर भी ली जाएगी। यह वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद संबंधित जानकारियों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। फिजिकल वेरिफिकेशन के समय अगर यह पाया जाता है कि रजिस्टर्ड एड्रेस पर पत्र-व्यवहार नहीं किया जा सकता है, तो संबंधित रजिस्ट्रार कंपनी और उसके निदेशकों को एक नोटिस भेजकर सूचना देने को कहेगा।

यूपीआई सेवा पर किसी प्रकार का शुल्क नहीं लगाएगी सरकार

नई दिल्ली ।

हाल ही में यह खबर आई थी की यूपीआई सेवा पर शुल्क लगाया जा सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की समीक्षा कर रहा है और यूपीआई के जरिए किए जाने वाले भुगतान पर चार्ज लगा सकता है। अब वित्त मंत्रालय ने राहत भरी जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार यूपीआई भुगतान सेवा पर किसी तरह का चार्ज लगाने पर विचार नहीं कर रही है।

वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि यूपीआई एक ऐसा डिजिटल प्लैटफॉर्म है जो जनता के लिए अत्यधिक सुविधाजनक है और अर्थव्यवस्था में इसका बड़ा योगदान है। यूपीआई भुगतान सेवा पर किसी तरह का चार्ज लगाने का विचार नहीं किया जा रहा है। सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए कॉस्ट रिकवरी के लिए अन्य विकल्पों पर विचार किया जाएगा। बता दें कि यूपीआई एक रियल टाइम पेमेंट सिस्टम है, जो एक बैंक के अकाउंट से दूसरे बैंक के अकाउंट में पैसा तुरंत ट्रांसफर करने की सुविधा देता है। खास बात है कि यूपीआई के जरिए रात या दिन कभी भी मनी ट्रांसफर कर सकते हैं।

यूपीआई सुविधा का उपयोग करना काफी आसान है. इसके लिए आपके मोबाइल में पेटीएम, फोनपे, गूगलपे, भीम आदि कोई यूपीआई ऐप डाउनलोड करना होगा। आप अपने बैंक अकाउंट को यूपीआई ऐप से लिंक कर इस सिस्टम का इस्तेमाल कर सकते हैं। यूपीआई के माध्यम से आप एक बैंक अकाउंट को कई यूपीआई ऐप से लिंक कर सकते हैं। वहीं अनेक बैंक अकाउंट को एक यूपीआई ऐप के जरिए संचालित कर सकते हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नीरज फिट होने पर ही लुसाने डायमंड लीग में खेलेंगे : सुमरिवाला

नई दिल्ली । भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने कहा है कि शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फिट होने पर ही 26 अगस्त को लुसाने में डायमंड लीग प्रतियोगित में भाग लेंगे। नीरज को विश्व चैम्पियनशिप में खिंचाव आ गया था। उनकी एमआरआई स्कैन में ग्रोइन इंजरी का पता लगा जिसके लिए उन्हें 3 सप्ताह के आराम की सलाह दी गई। इसकी कारण वह बर्मिंघम राष्ट्रमण्डल खेलों से भी बाहर थे। नीरज को चोपड़ा 26 अगस्त से होने वाले डायमंड लीग टूर्नामेंट के लिए शामिल किया गया है पर वह पूरी तरह से ठीक होने पर ही इसमें भाग लेंगे। सुमरिवाला ने कहा, 'वह मेडिकल आधार पर फिट होंगे तो ही खेलेंगे।'

न्यूजीलैंड ने पहली बार वेस्टइंडीज में एकदिवसीय सीरीज जीती

लाथम 69 और मिचेल 63 ने लगाये अर्धशतक

ब्रिजटाउन ।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को यहां हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच 5 विकेट से हराने के साथ ही तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। यह कीवी टीम की वेस्टइंडीज में पहली सीरीज जीत है। इस मैच में न्यूजीलैंड की जीत में मार्टिन गुप्टिल, डेवॉन कॉनवे, टॉम लाथम और डेरिल मिचेल की अहम भूमिका रही। इसके अलावा जेम्स नीशम ने 11 गेंद में 309 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 34 रन बनाये। इससे न्यूजीलैंड ने जीत के लिए मिले 302 रनों के लक्ष्य को 17 गेंद पहले ही हासिल कर लिया। . इससे पहले न्यूजीलैंड टीम के कप्तान टॉम लाथम ने टॉस जीतकर मेजबान वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान टीम की ओर से शाई होप और काइल मायर्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 173 रन बना दिये। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले विकेट के लिए वेस्टइंडीज की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है. इससे पहले, गॉर्डन ग्रिनीज और डेसमंड हेंस की जोड़ी ने साल 1987 में क्राइस्टचर्च में पहले विकेट के लिए नाबाद 192 रन बनाये थे। अच्छी शुरुआत के बाद भी इंडीज टीम होप के 51 रन बनाकर आउट होने के बाद संभल नहीं पायी और उसने 18 रनों के अंदर 3 और विकेट खो दिए। इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंद में 91 रन बनाये। उनकी इस पारी से वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 301 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले 302 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिन एलेन 3 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद मार्टिन गुप्टिल और डेवोन कॉनवे ने दूसरे विकेट के लिए 100 रन की

साझेदार कर न्यूजीलैंड की पारी को जीत की राह पर ला दिया। गुप्टिल 57 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। उनके पवेलियन लौटने के बाद कॉनवे 56 रन बनाकर आउट हुए। 128 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान टॉम लाथम और डेरिल मिचेल ने चौथे विकेट के लिए 103 गेंद में 120 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया।लाथम 69 और मिचेल 63 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद जेम्स ब्रेसवेल और जेम्स नीशम ने छठे विकेट के लिए 23 गेंद में नाबाद 48 रन बनाकर न्यूजीलैंड को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

17 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंख्ला खेलेगी इंग्लैंड

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस साल दिसंबर में तीन मैचों की टेस्ट श्रृंख्ला के लिए इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे की पुष्टि की। इंग्लैंड 17 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंख्ला खेलेगी। इससे पहले इंग्लैंड मेजबान टीम के साथ 20 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच कराची और लाहौर में सात टी20 मैच खेलेगी। तीन टेस्ट मैचों की यह श्रृंख्ला रावलपिंडी (01-05 दिसंबर), मुल्तान (09-13 दिसंबर) और कराची (17-21 दिसंबर) में खेली जाएगी। इंग्लैंड ने पिछली बार 2005 में पाकिस्तान का दौरा किया था, जब मेजबान टीम ने मेहमानों को 2-0 से मात दी थी। इंग्लैंड ने 2000 में नासिर हुसैन की कप्तानी में पाकिस्तान में अपना आखिरी टेस्ट जीता था। इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट मुल्तान में खेलते हुए सीरीज पर 1-0 से कब्जा किया था। पीसीबी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक ज़ाकिर ख़ान ने कहा, 'हमें खुशी है कि पाकिस्तान और इंग्लैंड टेस्ट प्रतिद्वंद्विता दिसंबर में हमारे यहां लौट रही है, जिसने ऐतिहासिक रूप से कई करीबी और कड़े मैच देखे हैं। पाकिस्तान में आखिरी बार 2005 में दोनो टीमों ने मैच खेला था। मुझे विश्वास है कि यह शृंखला वैश्विक क्रिकेट प्रेमी की उम्मीदों पर खरी उतरेगी जो प्रतिस्पर्धी और रोमांचक मैच देखना और उनका आनंद लेना चाहते हैं। इंग्लैड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्लेयर कॉनर ने कहा, 'वर्ष 2005 के बाद पहली बार पाकिस्तान में हमारी पुरुष टेस्ट टीम की वापसी एक ऐतिहासिक अवसर होगा। हम पाकिस्तान में क्रिकेट प्रेमियों के सामने टेस्ट क्रिकेट खेलने का अवसर पाकर खुश हैं। हम हाल के महीनों में पीसीबी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी टेस्ट और टी20 शृंखला को सबके लिये रोमांचक बनाने के लिये मैं उनका शुक्रगुज़ार हूं।

कोरिक ने सितसिपास को हराकर अपना पहला एटीपी खिताब जीता

मेसन । क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ ही अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता है। कोरिक ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में यूनान के स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(0), 6-2 से हराया। कोरिक और सितसिपास के बीच यह मुकाबला एक घंटे 57 मिनट तक चला। फाइनल के पहले सेट में वह 1-4 से पीछे थे पर इसके बाद कोरिक ने दबाव से उभरते हुए सितसिपास को हराया। कोरिक कंधे की चोट के कारण पिछले सत्र में अधिकतर समय बाहर ही रहे थे। सिनसिनाटी ओपन में आने के समय उनकी रैंकिंग 152 थी पर इसके बाद अपने अच्छे प्रदर्शन से वह एटीपी रैंकिंग में अब 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कोरिक ने जीत के बाद कहा कि यह एक बेहद कठिन मुकाबला मैच था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भारतीय फुटबॉल महासंघ से हट सकता है निलंबन

सीओए को बर्खास्त समझा जाए

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के निलंबन मामले में कहा है कि तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति (सीओए) को बर्खास्त समझा जाए। शीर्ष अदालत के इस फैसले से अब एआईएफएफ के कामकाज में हस्तक्षेप समाप्त हो जाएगा जिससे विश्व की शीर्ष फुटबॉल संस्था (फीफा) का लगाया प्रतिबंध उससे हट जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा है कि देश में अंडर-17 महिला विश्व कप के आयोजन और फीफा के एआईएफएफ पर लगाया निलंबन को रद्द कराने के लिए हमने पहले के आदेश में बदलाव किया है। इससे पहले केन्द्र सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि सीओए को हटाकर भारतीय फुटबॉल की कमान महासंघ को सौंपी जाये। न्यायमूर्ति डी वाय चंद्रचूड और ए एस बोपन्ना की पीठ ने 28 अगस्त को होने वाले चुनाव एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिए हैं, जिससे मतदाता सूची में बदलाव और नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत हो सके। पीठ ने कहा कि एआईएफएफ चुनाव के लिए मतदाता सूची में फीफा की मांग के अनुसार ही प्रदेश और केंद्रशासित प्रदेश संघों के 36 प्रतिनिधि होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र की फीफा से बातचीत के बाद पूर्व आदेश में बदलाव की खेल मंत्रालय की अपील पर यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा एआईएफएफ के चुनाव के लिए सीओए के द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी उमेश सिन्हा और तपस भट्टाचार्य को अदालत द्वारा नियुक्त माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि एआईएफएफ के कामकाज को निकाय के कार्यवाहक महासचिव संभालेंगे। इसने कहा कि एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 23 सदस्य होंगे जिनमें छह खिलाड़ी होंगे जिसमें दो महिला खिलाड़ी रहेंगी।

इससे पहले शीर्ष अदालत ने केंद्र से एआईएफएफ पर फीफा का लगाया निलंबन रद्द कराने और भारत में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी सुनिश्चित कराने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने को कहा था।

संक्षिप्त समाचार

कार्लसन को हराने के बाद भी दूसरे स्थान पर रहे प्रागनंदा

मियामी। भारत के आर प्रागनंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां जारी एफटीएक्स क्रिप्टो कप शतरंज में नार्वे के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन को पराजित किया है। प्रागनंदा और कार्लसन के बीच रेगुलेशन गेम के अंत में स्कोर 2–2 से बराबरी पर रहा। इसके बाद प्रागनंदा ने ब्लिट्ज टाईब्रेक में भी कार्लसन को हराया। इस जीत के बाद भी ज्यादा अंक होने के कारण खिताब कार्लसन को ही मिला। वहीं प्रागनंदा दूसरे स्थान पर रहे। प्रागनंदा ने नार्वे के खिलाड़ी से लगातार तीन बाजियां जीती, जिनमें टाईब्रेक की दो बाजियां भी शामिल हैं। इनके बीच पहली दो बाजियां बराबरी पर रही थीं। इसके बाद कार्लसन ने तीसरी बाजी जीती पर प्रागनंदा ने चौथी बाजी जीतकर मुकाबले को टाईब्रेकर तक खींच दिया। इसके बाद टाईब्रेकर में दोनों बाजियां जीतकर कार्लसन को परास्त किया। इस जीत के बाद भी भारतीय खिलाड़ी को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा क्योंकि अंक अधिक होने के कारण कार्लसन शीर्ष पर आ गये।

आजम के नाम हुआ धीमी बल्लेबाजी का रिकार्ड

पाक ने अंतिम एकदिवसीय में नीदरलैंड को 9 रनों से हराया

लाहौर । पाकिस्तान ने तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के अंतिम मैच में नीदरलैंड को 9 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाक बल्लेबाज असफल रहे। पाक टीम को गेंदबाजों ने अपनी शानदार प्रदर्शन से जीत दिलाई। नसीम शाह ने 10 ओवर में 33 रन देकर सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। वहीं बल्लेबाजी में कप्तान बाबर आजम ने 125 गेंदों पर सबसे ज्यादा 91 रन बनाये। आजम की इस धीमी पारी से उनके नाक एक अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया है। इसी के साथ ही आजम साल 2017 से एकदिवसीय में 80 से कम स्ट्राइक रेट के साथ सबसे अधिक बार 90 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। नीदरलैंड के खिलाफ इस बार उनका स्ट्राइक रेट 72.80 का था। इस सूची में दूसरे स्थान पर वेस्टइंडीज के शाई होप और तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन हैं। आजम ने एकदिवसीय क्रिकेट में पिछली 10 पारियों में 837 रन बनाये हैं और इस दौरान उन्होंने 9 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है। इसके बाद भी वह फिर भी विराट कोहली के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। विराट ने एकदिवसीय क्रिकेट की लगातार 10 पारियों में 5 बार 800 से अधिक रन बनाए हैं। वहीं 2018 में वह 900 का आंकड़ा भी पार करने में सफल रहे थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के नाम 10 पारियों में 857 रनों का रिकार्ड है।

ट्रेनिंग कैंप के लिए आज अमेरिका रवाना होंगे चानू ,जेरेमी सहित शीर्ष वेटलिफ्टर

एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगे

नई दिल्ली ।

शीर्ष महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू के अलावा अन्य शीर्ष भारतीय पुरुष वेटलिफ्टर मंगलवार को अमेरिका रवाना होंगे। अमेरिका में ये खिलाड़ी सेंट लुई में साढ़े तीन सप्ताह के स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग ट्रेनिंग कैंप में भाग लेंगे। चानू के अलावा पदक विजेता जेरेमी लालरिनुंगा, अचिंता शेउली, संकेत सरगर, बिंदियारानी देवी, गुरदीप सिंह और आरवी राहुल तथा एशियन चैंपियनशिप की झिली डालबेहड़ा सेंट लुई जाएंगे। ये सभी खिलाड़ी ऐसे में बहरीन के मनाना में 6-16 अक्टूबर के बीच होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगे।

वेटलिफ्टिंग कोच विजय शर्मा ने कहा, 'हम 23-24 दिन अमेरिका में रहेंगे। यह ऑफ सेशन है इसलिए हम वहां स्ट्रेंथ कार्यक्रम में भाग लेंगे।' राष्ट्रमण्डल खेलों के दौरान कोहनी में चोट के कारण सर्जरी कराने वाले सरगर भी रिहैबिलिटेशन में भाग लेंगे।

वेटलिफ्टर डॉ. आरोन होर्शिंग के साथ काम करेंगे जो पूर्व भारोत्तोलक हैं और अब फिजिकल थेरेपिस्ट तथा स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच हैं।

शर्मा ने कहा, 'मीरा को अभी कोई समस्या नहीं है लेकिन हम वहां जा रहे हैं तो वह भी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में हिस्सा लेगी।' साथ ही कहा कि ये वेटलिफ्टर इस साल की एशियन चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे। इनका लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप पर ध्यान केंद्रित करना है क्योंकि वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग प्रतियोगिता है।

एशियाई चैंपियनशिप 6-16 अक्टूबर तक बहरीन के मनामा में होनी है। भारत अपनी 'बी' टीम को मैदान में उतारेगा जिसमें जूनियर भारोत्तोलक शामिल होंगे। शर्मा ने कहा, 'राष्ट्रमण्डल खेलों से लौटे भारोत्तोलक एशियाई चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। हम अपनी 'बी' टीम भेजेंगे।' मुख्य कोच ने कहा, 'हमारा ध्यान विश्व चैंपियनशिप पर है जो पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग प्रतियोगिता है।' कोलंबिया के बगोटा में 5 से 15 दिसंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप साल 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए पहली क्वालिफाइंग प्रतियोगिता है।

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, तेज गेंदबाज एशिया कप से बाहर

कोलंबो : तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा पैर में चोट के कारण सोमवार को एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गए जिससे श्रीलंका को इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता की शुरुआत से पहले झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बयान में कहा कि चमीरा को टीम अभ्यास के दौरान बाएं पैर में चोट लगी। श्रीलंका की 18 सदस्यीय टीम में नुवान तुषारा उनकी जगह लेंगे। श्रीलंका ने शनिवार के अपनी टीम घोषित की थी जिसमें चोटिल खिलाड़ियों बिनुरा फर्नांडो और कासुन रजिता को भी शामिल नहीं किया गया था। श्रीलंका के पास अनुभवी स्पिन गेंदबाज हैं लेकिन दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुसन, असित फर्नांडो और मथीशा पथिराना को टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण कर इंतजार है। तुषारा ने कुछ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। तुषारा ने इस साल फरवरी में पदार्पण करने के बाद चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दो विकेट चटकाए हैं। श्रीलंका को एशिया कप में ग्रुप बी में रखा गया है और वह अपने अभियान की शुरुआत 27 अगस्त को दुबई में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। टीम अपना दूसरा मैच एक सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी।

एशियाई कप के लिए श्रीलंका टीम :

दासुन शनाका (कप्तान), दनुष्का गुणतिलक, पाथुम निसांका, कुसाल मेंडिस, चरिथ असलंका, भानुका राजपक्षे, आशेन बंडारा, धनंजया डिसिल्वा, वनिंदु हसरंगा, महेश थीक्षणा, जेफरी वांडरसे, प्रवीण जयविक्रम, चमिका करुणारत्ने, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना, नुवानिदू फर्नांडो, नुवान तुषारा, दिनेश चांदीमल।

वेस्टइंडीज पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

ब्रिजटाउन । वेस्टइंडीज को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में दोहरा झटका लगा है। मैच में मिली हार के बाद अब उसपर धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 40 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी मैच रेफरी के एलीट पैनल ने इंडीज टीम पर निर्धारित समय तक दो ओवर कम फैंकने के कारण यह जुर्माना लगाया है। आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। इसमें तय समय तक ओवर पूरे नहीं होने पर खिलाड़ियों की मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया जाता है। इसके अलावा आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग खेलने की स्थिति में एक पक्ष को एक ओवर कम होने पर एक अंक का दंड दिया जाता है। वेस्टइंडीज सुपर लीग के दौरान अपने अंक तालिका से दो अंक खो देगा। इंडीज कप्तान पूरन ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया जिस कारण आगे औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: लक्ष्य, अश्विनी-सिक्की, तनीषा-ईशान जीते, प्रणीत हारे

टोक्यो ।

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए सोमवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के पुरुष एकल के शुरूआती दौर के मुकाबले में डेनमार्क के हैंस-क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस को सीधे गेम में शिकस्त दी। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके साथ ही महिला युगल और मिश्रित युगल में जीत दर्ज की जबकि अनुभवी पुरुष एकल खिलाड़ी बी साई प्रणीत को विश्व रैंकिंग के चौथे नंबर के खिलाड़ी चो टिएन के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल स्पेन में इस टूर्नामेंट में पदार्पण पर कांस्य पदक जीतने वाले बीस साल के सेन ने अपने शुरुआती मैच में विटिंगस पर 21-12, 21-11 से जीत हासिल की। विश्व चैंपियनशिप (2019) के कांस्य पदक विजेता प्रणीत को चीनी ताइपे के खिलाड़ी के खिलाफ 15-21, 21-15, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणीत ने टोक्यो में लगातार दूसरे साल निराशाजनक प्रदर्शन किया। वह पिछले साल ओलंपिक खेलों के दौरान भी शुरू में बाहर हो गए थे। इस बीच राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व कांस्य पदक विजेता अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी ने मालदीव की अमीनाथ नबीहा अब्दुल रज्जाक और फातिमथ नबाहा अब्दुल रज्जाक को 21-7, 21-9 से हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। अश्विनी और सिक्की को दूसरे दौर में चीन की चेन किंग चेन और जिया यी फैन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। मिश्रित युगल में तनीषा क्रास्टो और ईशान भटनागर की जोड़ी ने जर्मनी के पैट्रिक स्कील और फ्रांजस्कि वोल्कमैन को 29 मिनट में 21-13, 21-13 से हराकर अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। भारतीय जोड़ी अगले दौर में थाईलैंड की सुपक जोमकोह और सुपिसारा पावसमप्रान की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी। नौवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 36 साल के अनुभवी खिलाड़ी को 'फोरहैंड' और 'क्रॉस कोर्ट रिटर्न' लगाकर परेशान किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह चौथा मैच था और इससे पहले डेनमार्क के खिलाड़ी ने दो जबकि लक्ष्य ने एक मुकाबला जीता था। विटिंगस ने मैच के दौरान लक्ष्य को तेज-तर्रार रैलियों में उलझाया जिसमें से एक रैली 31 शॉट की था। लक्ष्य ने विनर्स लगाकर इस रैली को अपने नाम किया। दूसरे गेम के मध्य में लक्ष्य ने चार अंकों की बढ़त बनायी जिसके बाद विटिंगस पर दबाव हावी हो गया और वह लगातार गलतियां करते रहे। लक्ष्य ने लगातार पांच अंक बनाकर मैच प्वाइंट हासिल किया और फिर इसे भुनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के अन्य खिलाड़ियों में बी सुमीत रेड्डी और मनु अत्री की पुरुष युगल जोड़ी को मासायुकी ओनोडेरा और हिरोकी ओकामुरा से 11-21 21-19 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में मालविका बंसोड़ भी डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफर्सन से 14-21, 12-21 से हारकर पहले दौर में बाहर हो गई।

शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर- विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं .

सवाल पूछने दें - रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें - हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

री-डू सिखाएं - घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

ऑनलाइन मदद - पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे - बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

स्कूल वापसी - इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

तकनीक सीखें - ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर-सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टााविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-ड्टाागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टाी स्वाड्टााविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।

अचानक आई बाढ़ से अफगानिस्तान और पाकिस्तान में दर्जनों लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पूर्वी अफगानिस्तान और इससे लगते पाकिस्तान के इलाकों में भारी बारिश की वजह से गत रात आई बाढ़ में दर्जनों लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे संबंधित एक वीडियो में अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के दक्षिण स्थित लोगार प्रांत के खुशी जिले में ग्रामीण बाढ़ के बाद के अपने क्षतिग्रस्त घरों को साफ करते नजर आ रहे हैं। लोगार प्रांत के प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मंत्रालय के प्रमुख अब्दुल्ला मुफाकर ने कहा कि अबतक यह पता नहीं है कि बाढ़ से कितने लोगों की मौत हुई या कितने घायल हुए हैं, लेकिन कम से कम नौ लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा, ''इस समय मृतकों की वास्तविक संख्या की जानकारी नहीं है, लोग शवों को हटा रहे हैं।'' गांव के बुजुर्ग डेल आगा ने कहा कि खुशी के इतिहास में अभूतपूर्व बाढ़ आई है। उन्होंने कहा, ''बाढ़ ने इलाके के सभी लोगों के मवेशियों, घरों और कृषि भूमि को बर्बाद कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''लोग बेघर हो गए हैं और उन्होंने पहाड़ियों पर शरण ली है।'' वहीं, पाकिस्तान के प्राकृतिक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया है कि देश में मानसूनी बारिश से आई बाढ़ की वजह से कम से कम 36 लोगों की मौत हुई है जिनमें से 11 मौत अफगानिस्तान से लगते सीमावर्ती इलाकों में हुई है। प्राधिकरण ने बताया कि सेना की मदद से बचाव अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह उत्तरी अफगानिस्तान में भारी बारिश की वजह से अचानक आई बाढ़ से कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों अन्य लोग लापता हुए थे।

चीन ने फसलों को सूखे से बचाने के लिए कृत्रिम वर्षा की योजना बनायी

चोंगकिंग (चीन)। चीन ने कहा है कि रसायनों के माध्यम से (कृत्रिम) बारिश कराकर वह फसलों को भयंकर सूखे से बचाने का प्रयास करेगा। इस बीच, कारखानों में रविवार को इस बात का इंतजार रहा कि पनबिजली उत्पादन के वास्ते पानी की कमी के कारण उन्हें कहीं अपना परिचालन एक और हफ्ते के लिए बंद न करना पड़े। पिछले 61 साल में इस बार सबसे अधिक भीषण गर्मी के कारण फसलें मुरझा गयी हैं तथा जलाशयों में पानी घटकर आधा रह गया है। सिचुआन प्रांत में घरों के वास्ते पानी बचाने के लिए पिछले हफ्ते कारखाने बंद कर दिये गये थे, क्योंकि पारा 45 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंचने के साथ ही वातानुकूलन की मांग बहुत बढ़ गयी है। देश में 61 साल पहले वर्षा एवं तापमान का रिकार्ड रखना शुरू किया गया था। अखबार ग्लोबल टाइम्स के अनुसार कृषि मंत्री तांग रेनजियान ने कहा कि अगला 10 दिन दक्षिणी चीन की धान फसल का 'नुकसान रोकने के लिए अहम अवधि' है। उन्होंने कहा कि प्रशासन 'शरद ऋतु में फसल कटाई सुनिश्चित करने के लिए' आपात कदम उठाएगा। तांग के मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि प्रशासन रसायनों की मदद से बादल तैयार करके 'बारिश बढ़ाने की चेष्टा करेगा'तथा वाष्पोर्त्सन को कम करने के लिए खड़ी फसल पर 'पानी सहेजने वाले एजेंट' का छिड़काव करेगा। इन परिस्थितियों में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के लिए चुनौतियां बढ़ गयी हैं जो अक्टूबर या नवंबर में होने वाली बैठक से पहले मंद आर्थिक विकास में जान फूंकने के लिए प्रयासरत है। उस बैठक में राष्ट्रपति शी चिनफिंग के अपने तीसरे कार्यकाल के लिए कवायद करने की संभावना है।

भारत, श्रीलंका में चमगादड़ों की एक नई प्रजाति का पता लगाया गया: अनुसंधान सदस्य

शिलांग। अनुसंधानकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने भारत और श्रीलंका में चमगादड़ों की एक नई प्रजाति का पता लगाया है जिसकी लंबी उंगलियां हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले मेघालय में मोटे-अंगूठे वाले चमगादड़ों की प्रजाति पाई गयी थी। शोध में अग्रणी वैज्ञानिकों में शामिल और भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण के उत्तम सैकिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि श्रीलंका में रोहाना विश्वविद्यालय से थरका कुसुमिंडा के नेतृत्व में टीम ने लंबी उंगलियों (लांग फिंगर्ड) वाले चमगादड़ों की नई प्रजाति का नाम 'मिनिओप्टेरस फिलिप्सी' रखा है। इसका नाम डब्ल्यू. डब्ल्यू. ए. फिलिप्स (1892-1981) के नाम पर श्रीलंका और दक्षिण एशिया के स्तनधारियों पर अध्ययन में उनके योगदान की मान्यता के तौर पर रखा गया है। इस प्रजाति के नमूने श्रीलंका में उवा प्रांत में इदुल्गाशिन्ना गुफा से एकत्र किए गए थे और अब पड़ोसी देश के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में जमा किए गए हैं। प्रारंभिक शोध 2019 में श्रीलंका में किया गया था और इसे श्रीलंका और भारत दोनों में पूरा होने में तीन साल लगे। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह शोध शुक्रवार को एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका 'एक्टा चिरोप्टेरोलोजिका' में प्रकाशित हुआ है। 'मिनिओप्टरिडे' परिवार से संबंधित लंबी उंगलियों वाले चमगादड़ दुनियाभर में कम से कम 40 प्रजातियों के एक बड़े समूह का हिस्सा हैं। इस विशेष अनुसंधान में कम से कम 13 प्रसिद्ध वैज्ञानिक शामिल थे जिनमें श्रीलंका से छह और भारत, रूस, स्विट्जरलैंड, हंगरी, ब्रिटेन और अमेरिका से एक-एक वैज्ञानिक शामिल हैं।

पाकिस्तान में झड़प के बाद हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति पर ईशनिंदा का आरोप लगा बनाया निशाना

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों को अधिकारों से वंचित करने के साथ उन पर अत्याचार का सिलसिला जारी है। पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में एक स्थानीय निवासी के साथ झड़प के बाद हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति पर ईशनिंदा का आरोप लगा कर निशाना बनाया गया। इसके अलावा उसके खिलाफ एक फर्जी मामला भी दर्ज किया गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भीड़ एक बिल्डिंग पर बालकनी के सहारे चढ़ रहे हैं। पुलिस ने भीड़ को मौके से हटाया और पीड़ित पर ही मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। लेकिन कहा जा रहा है कि जिस कथित ईशनिंदा के मामले में हिंदू शख्स को फंसाया या जा रहा है वह दरअसल एक मुस्लिम महिला ने किया है। पाकिस्तानी पत्रकार नाइला इनायत ने ट्वीट कर कहा, 'हिंदू सफाई कर्मचारी अशोक कुमार पर हैदराबाद में कुरान के कथित अपमान को लेकर ईशनिंदा की धारा 295बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह आरोप उस पर तब लगा है, जब उसका एक दुकानदार बिलाल अब्बासी के साथ विवाद हो गया था। बिलाल ने तब अशोक के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।' पत्रकार मुबाशिर जैदी ने एक ट्वीट में कहा, 'हैदराबाद पुलिस ने एक हिंसक भीड़ को तितर-बितर कर दिया जो एक हिंदू सफाई कर्मचारी को उन्हें सौंपने की मांग कर रहे थी, उस पर ईशनिंदा का आरोप लगा था।' जिस व्यक्ति पर ईशनिंदा का आरोप लगा है उसकी पहचान अशोक कुमार के रूप में हुई है, जो पाकिस्तान में हैदराबाद के सदर में राबिया केंद्र में एक सफाई कर्मचारी के रूप में काम करता है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक एक मुस्लिम महिला ने कुरान के पन्नों को जलाया है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों और यहां तक कि मुस्लिम समुदाय के लोगों के खिलाफ ईशनिंदा कानूनों का दुरुपयोग सामान्य बात बन गई है। ईशनिंदा के आरोप में कई लोगों को पाकिस्तान में भीड़ ने मार डाला है। वहीं कई लोग वर्षों से जेल में बंद हैं। पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून के तहत निचली अदालतों में न्यायाधीश नियमित रूप से सबूतों की जांच के बिना आरोपी को मौत की सजा सुना देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1947 के बाद से पाकिस्तान में अब तक ईशनिंदा के 1,415 मामले आ चुके हैं। एक अन्य रिपोर्ट कहती है कि 2021 में मुस्लिमों को ईशनिंदा के आरोप सबसे ज्यादा फंसाया गया। ईशनिंदा में सबसे ज्यादा अहमदी, हिंदू और ईसाई फंसाए जाते रहे हैं।

सिंगापुर में समलैंगिकता नहीं होगी अपराध, पीएम ने धारा 377ए को शीघ्र समाप्त करने का ऐलान किया

बैंकाक । सिंगापुर में समलैंगिकता अब अपराध नहीं होगी। सिंगापुर सरकार ने रविवार को इस संबंध में ऐलान किया। विवाह की परिभाषा की रक्षा करते हुए औपनिवेशिक काल के कानून को समाप्त कर पुरुषों के बीच यौन संबंध को अपराध की श्रेणी से बाहर करेगा। सिंगापुर के वार्षिक नेशनल डे रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग ने कहा कि उनका मानना है कि यह 'अब करने के लिये सही काम' है, जिसे देश के अधिकतर लोग स्वीकार करेंगे। लूंग ने अपने संबोधन में कहा, 'यह कानून को मौजूदा सामाजिक मॉडल के अनुरूप लेकर आएगा और मुझे उम्मीद है कि इससे सिंगापुर के समलैंगिकों को कुछ राहत मिलेगी।' उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिये संविधान में भी संशोधन करेगी कि समलैंगिक विवाह को अनुमति देने में किसी प्रकार की संवैधानिक चुनौती उत्पन्न नहीं हो सके। लूंग ने कहा, 'धारा 377 ए को निरस्त करने के बावजूद हम विवाह की संस्था को बनाए रखेंगे और उसकी रक्षा करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमें इसकी सुरक्षा करने के लिये संविधान में संशोधन करना होगा। और हम ऐसा करेंगे। यह धारा 377 ए को नियंत्रित एवं सावधानीपूर्वक निरस्त करने में हमारी मदद करेगा।' प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वास्तव में धारा 377ए को कब निरस्त किया जाएगा। सिंगापुर अब एशिया में नवीनतम देश बन गया है, जिसमें एलजीबीटीक्यू समुदाय के सदस्यों के साथ भेदभाव खत्म किया जाएगा।

वेटिकन में पोप फ्रांसिस अपनी खिड़की से प्रार्थना में भाग लेने वालों का अभिवादन करते हुए।

पाकिस्तान में पुलिस के सहयोग से सिख लड़की जबरन अपहरण, दुष्कर्म कर करवाया धर्मांतरण!

लाहौर। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय का लड़कियों के साथ जबरन अपहरण और दुष्कर्म के बढ़ते मामले चिंता का सबब बनते जा रहे हैं। यहां के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बुनेर जिले में 20 अगस्त की शाम को एक सिख समुदाय की लड़की को जबरन अपहरण कर उसे इस्लाम धर्म में परिवर्तित कर दिया गया, जिसके बाद बड़े पैमाने पर सिख समुदायों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पीड़िता का अपहरण पुलिस की सहायता से बन्दूक की नोंक पर किया गया। फिर उसका बलात्कार किया गया और उसके बाद अपहरणकर्ता से शादी करवाकर उसका धर्म बदलवा दिया गया। भेदभाव और उत्पीड़न की इस भयावह घटना को देखकर सैकड़ों सिखों और अन्य लोगों ने सड़क जाम कर न्याय की मांग की। एक प्रदर्शनकारी सिख ने कहा, 'मैं पाकिस्तान के लोगों और विदेशियों से अपील करता हूं कि हम पर हमला और अत्याचार हो रहा है। यह विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रखा जाएगा जब तक वो हमारी बेटी को वापस नहीं लौटाते। प्रशासन ने हमे पूरे दिन गुमराह किया। बेटी के अपहरण में प्रशासन बुनेर के लोग शामिल हैं। इन सब ने मिलकर हमारी बेटी को प्रताड़ित किया, उसका बलात्कार किया और फिर जबरदस्ती उसकी शादी करा दी'। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि पुलिस ने हमारी एफआईआर दर्ज नहीं की। हमने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी बात की, लेकिन किसी ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया, जिससे साफ पता चलता है कि इस अपराध के पीछे प्रशासन का पूरा समर्थन है।

यूक्रेन संघर्ष के बीच अपने आर्थिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत के लिए चुनौती: जयशंकर

साओ पाउलो (ब्राजील)। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को यह सुनिश्चित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है कि उसके आर्थिक हितों की अच्छी तरह से रक्षा की जाए और उसके उपभोक्ताओं को यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर तेल की कीमतों में भारी उछाल से बचाया जाए। जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है इसलिएभारत के लिए अपने नागरिकों को तेल की बढ़ती कीमतों के बोझ से बचाना भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

दक्षिण अमेरिकी देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे जयशंकर ने शनिवार को यहां भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के कारण भारत की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताएं काफी बढ़ गयी हैं। यूक्रेन संघर्ष ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को काफी प्रभावित किया है। रूस से सस्ती कीमतों पर तेल खरीदने के भारत के कदम का बचाव करते हुए

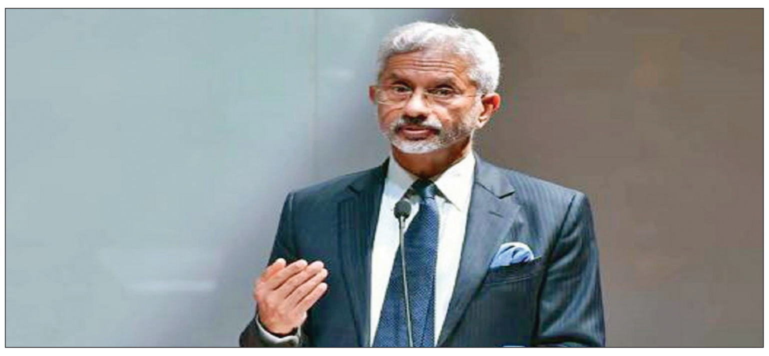

जयशंकर ने कहा, ''हमारे पास एक चुनौती है। हमें कूटनीति के माध्यम से, विभिन्न सरकारों के साथ बातचीत के माध्यम से यह सुनिश्चित करना है कि हमारे आर्थिक हितों की अच्छी तरह से सुरक्षा हो और भारतीय उपभोक्ताओं को तेल की लगातार बढ़ती हुई कीमतों से जितना संभव हो सके बचाया जाए।'' विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में दुनिया वैश्वीकरण के दौर में है और यदि दुनिया के एक कोने में कुछ होता है तो बाकी सभी इससे प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के संबंध में भारत के राष्ट्रीय हितों को हर संभव तरीके से पूरा करने और उसकी सुरक्षासुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को रूस की ओर से हमले की शुरुआत के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। भारत ने पश्चिमी देशों की ओर से की गयी आलोचना के बावजूद यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से तेल आयात बढ़ाया है और व्यापार के लिए मास्को के साथ संपर्क बनाए रखा है।

रूस ने भारत में आतंकी हमले की योजना बना रहे आईएस के आत्मघाती हमलावर को किया गिरफ्तार

कीव (एजेंसी)।

रूस ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आंतकी कथित तौर पर आत्मघाती हमले का प्रयास करने के लिए भारत की यात्रा करने की योजना बना रहा था। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार आतंकवादी ने ÷भारत के सत्तारूढ़ हलकों के प्रतिनिधियों में से एक÷ के खिलाफ हमले की योजना बनाई। रूस में एफएसबी ने मध्य एशियाई क्षेत्र के एक देश के मूल निवासी अंतरराष्ट्रीय संगठन इस्लामिक स्टेट द्वारा रूस में प्रतिबंधित एक सदस्य की पहचान की और उसे हिरासत में लिया। फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने मध्य एशियाई देश के एक मूल निवासी के रूप में उसकी पहचान की है। बताया जा रहा है कि उसने भारत में सत्ताधारी दल यानी बीजेपी के किसी नेता पर हमला करने की योजना बनाई थी। सिक्योरिटी सर्विस द्वारा एक बयान में इसके बारे में बताया गया है। एफएसबी की विज्ञप्ति में कहा गया, ÷उसके बाद, उसे रूस जाने, आवश्यक दस्तावेजों को पूरा करने और एक हाई-प्रोफाइल आतंकवादी कृत्य करने के लिए भारत जाने का काम दिया गया।' गौरतलब है कि इस्लामिक स्टेट और इसकी सभी गतिविधियों को रूस में आतंकवादी संगठन के रूप में घोषित किया गया है। रूस के गृह मंत्रालय के मुताबिक आईएस अपनी विचारधारा को प्रचारित करने के लिए विभिन्न इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा है। इस संबंध में संबंधित अलर्ट सभी सुरक्षा एजेंसियां साइबर स्पेस पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

युवा अपने को जगह, प्रोजेक्ट के साथ मत जोड़िये बल्कि एक मिशन और एक मकसद से जोड़िए : मस्क

टे सास (एजेंसी)।

सफलता को लेकर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने युवाओं को बड़ी सलाह दी है। युवाओं के लिए उनकी ऐसी एक सलाह को आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने ट्विटर पर शेयर किया है। एलन मस्क ने कहा था, 'खुद को किसी इंसान, जगह, ऑर्गनाइजेशन या प्रोजेक्ट के साथ मत जोड़िये बल्कि एक मिशन और एक मकसद से जोड़िये। यही तरीका है जिससे आप अपनी ताकत और शांति को बचा सकते हैं।' एलन मस्क अक्सर इस तरह की सलाह आम लोगों को देते रहते हैं। उनकी बहन टोस्का भी अपने भाई के परामर्श के लिए उनकी सराहना करती हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि मस्क उनसे कहते हैं, 'तुम्हें उन लोगों का ध्यान रखना चाहिए जो तुम्हारी कंपनी में निवेश करते हैं क्योंकि तुम उनसे पूरी उम्र के लिए बंध गई हो।' मस्क ने पिछले एक पॉडकास्ट में कहा था कि युवाओं को केवल इसलिए किसी करियर को नहीं चुनना चाहिए कि उससे वे फेमस हो जाएंगे। बकौल मस्क, युवा ऐसा काम चुनें जिसमें वह अच्छे हों और जिसके लिए उनके पास स्किल हो। मस्क कहते हैं कि केवल लीडर कहलाने भर के लिए लीडर मत बनिए। मस्क का मानना है कि कई बार ऐसा होता है कि आप जिन लोगों को लीडर के रूप में देखना चाहते हैं वे लीडर बनना ही नहीं चाहते। मस्क के अनुसार, लोगों जो काम कर रहे हैं उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और वे तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते जाएंगे। वह कहते हैं, 'ऐसा काम ढूंढे जिसमें आपकी रूचि और आपके टैलेंट दोनों मिल जाएं।' एलन मस्क ने ग्रेजुएशन के बाद सिलिकॉन वैली में एक इंटरनेट सॉफ्टवेयर कंपनी में नौकरी के लिए आवेदन दिया था। लेकिन मस्क का आवेदन अस्वीकार हो गया था। आज मस्क दुनिया के सबसे रईस शख्स हैं। मस्क की नेटवर्थ 26,340 करोड़ डॉलर है। मस्क इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला, स्पेसएक्स, न्यूरालिंक और द बोरिंग कंपनी के मालिक हैं।

गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हुए इमरान, पीटीआई की धमकी- इस्लामाबाद पर कर लेंगे कब्जा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

आतंकवाद निरोधी कानून में एफआईआर दर्ज होते ही इमरान खान पर गिरफ्तारी का शिकंजा कस चुका है। पाकिस्तानी मीडिया में आ रही खबर के अनुसार गिरफ्तारी से बचने के लिए इमरान खान फरार हो गए हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि इमरान खान पंजाब में कहीं छिपे हुए हैं। जहां पर उनकी पार्टी पीटीआई की ही सरकार है। इस बीच पाकिस्तान में सियासी गहमा गहमी भी काफी बढ़ गई और इमरान की पार्टी पीटीआई ने धमकी दी है कि अगर इमरान खान को गिरफ्तार किया गया तो वे इस्लामाबाद पर कब्जा कर लेंगे। बनीगाला स्थित इमरान के घर पर भी बड़ी संख्या में उनके समर्थक जमा हो चुके हैं।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद की पुलिस इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए बनीगाला पहुंची थी। मगर कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस ऐसा करने में सफल नहीं हो पाई। इमरान की पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर बड़ी संख्या में उतर रहे हैं। इमरान सरकार में मंत्री रहे अली अमीन खान ने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान सरकार इमरान को गिरफ्तार करती है तो पीटीआई कार्यकर्ता इस्लामाबाद को 'टेकओवर' कर लेंगे। वहीं हसन नियाजी ने देशभर में हड़ताल का आह्वान किया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दरअसल, इमरान ने अपनी पार्टी के एक नेता की गिरफ्तारी को लेकर जज और पुलिस अधिकारियों को खुलेआम धमकी दे डाली। इस मामले में इमरान खान के खिलाफ इस्लामाबाद के एक थाने में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई। जिसके बाद उसके घर के बाहर सड़क को ब्लॉक कर दिया गया और बिजली भी काट दी गई। इमरान खान लगातार पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ जमकर हल्ला बोल रहे हैं।

ईरान से संबंध बहाल करेगा यूएई, साढ़े छह साल बाद तेहरान भेजेगा राजदूत

अबू धाबी (एजेंसी)।

ईरान और यूएई के बीच लंबे समय से रिश्तों की चली आ रही खटास में मिठास घोलने की कवायद शुरू हो गई है। राजनयिक संबंधों को खत्म करने के साढ़े छह साल से ज्यादा समय के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अब उससे फिर से अपने संबंध बहाल करने की घोषणा की है। यूएई ने कहा कि ईरान में उसके राजदूत सैफ मोहम्मद अल जाबी आने वाले दिनों में तेहरान जाएंगे। सऊदी अरब के राजनयिक मिशनों पर प्रदर्शनकारियों के धावा बोलने के कारण यूएई ने 2016 में ईरान से राजनयिक संबंधों को खत्म कर दिया था। एक खबर के मुताबिक यूएई के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये कदम ईरान के साथ संबंधों को मजबूत करने के यूएई के प्रयासों के अनुरूप है। गौरतलब है कि सऊदी अरब के एक प्रमुख शिया विद्वान निम्र अल-निम्र को फांसी दिए जाने के बाद ईरानी प्रदर्शनकारियों ने ईरान में सऊदी अरब के राजनयिक मिशनों पर धावा बोला था। जिसके बाद यूएई ने 2016 में तेहरान के साथ अपने राजनयिक संबंधों को तोड़ दिया था। पिछले हफ्ते ही यूएई और ईरान के विदेश मंत्रियों ने टेलीफोन पर बातचीत की और आपसी संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने तेहरान में यूएई के राजदूत को वापस भेजने पर भी चर्चा की। अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीरबदुल्लाहियन ने दोनों देशों के लाभ के लिए द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग के क्षेत्रों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

सिंगापुर के पीएम बोले- रूस से हथियार खरीदता है भारत, इसलिए यूक्रेन हमले की निंदा नहीं की

सिंगापुर (एजेंसी)।

भारत के दोस्त सिंगापुर के पीएम ली सिएन लूंग ने एक चुभती हुई बात की और कहा कि भारत मॉस्को से सैन्य उपकरण खरीदता है इसलिए उसने संयुक्त राष्ट्र में, यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा के प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया। सिंगापुर की जनता को दिए गए वार्षिक संबोधन में ली ने मंदारिन भाषा में कहा कि भारत, चीन, वियतनाम और लाओस ने संयुक्त राष्ट्र में उस प्रस्ताव पर मतदान नहीं किया जिसमें यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा की गई थी। भारत रूस से सैन्य उपकरण खरीदता है। इसी साल फरवरी में पीएम ली सिएन लूंग ने भारत के आधे सांसदों को बलात्कारी और हत्यारा बताया था।

गौरतलब है कि फरवरी में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव लाया गया था जिसमें यूक्रेन पर रूस के हमले की कड़ी निंदा की गई थी और नई दिल्ली ने यह कहते हुए उस पर मतदान में भाग नहीं लिया था कि विवाद सुलझाने के लिए संवाद ही एक रास्ता है। प्रस्ताव पारित नहीं हुआ था क्योंकि स्थायी सदस्य और फरवरी के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष रूस ने उस पर वीटो कर दिया था। ली ने कहा कि आसियान समूह का सबसे छोटा देश होने के नाते सिंगापुर के हित स्वाभाविक रूप से अन्य देशों से भिन्न हैं।

उन्होंने कहा, 'इसलिए सिंगापुर ने न केवल रूस के हमले की निंदा की बल्कि उस पर प्रतिबंध भी लगाए। ली ने कहा कि रूस की आलोचना करते हुए सिंगापुर ने अमेरिका या रूस के साथ खड़े होने का संकेत नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सिंगापुर को अपनी स्थिति पर अडिग रहना है और मूलभूत सिद्धांतों का बचाव करना है। ली ने कहा कि कोई देश छोटा या बड़ा हो, उसकी संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने फरवरी 2022 में संसद में' देश में लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए' विषय पर एक बहस में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जिक्र किया था। उन्होंने भारत के दागी सांसदों के मुद्दे पर निशाना साधते हुए कहा था, 'जवाहर लाल नेहरू का भारत ऐसा बन गया है जहां मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में लगभग आधे सांसदों के खिलाफ बलात्कार और हत्या के आरोप लंबित हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि इनमें से कई आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।'

अल-जवाहिरी का खात्मा करने वाले एमक्यू-9बी ड्रोन भारत खरीदेगा, डील फाइनल स्टेज पर

नई दिल्ली ।

अफगानिस्तान के काबुल में पनाह लिए अलकायदा के दुर्दांत सरगना अयमान अल-जवाहिरी को ढेर करने वाले ड्रोन को भारत खरीदेगा। इस ड्रोन को अमेरिका से खरीदने की प्रक्रिया अपने आखिरी चरण में है। अमेरिका के एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की खासियत ये है कि दुश्मन को उसके आने-जाने तक की खबर नहीं मिलती है। एलएसी पर निगरानी के लिए भारत करीब 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत पर ड्रोन को अमेरिका से खरीद रहा है। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा तैयार गए एमक्यू-9 रीपर की खरीद के लिए बातचीत चल रही है और उन उन खबरों को खारिज कर दिया कि भारत इसे नहीं खरीदेगा। ड्रोन तैयार करने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी डॉ. विवेक लाल ने बताया कि ड्रोन की खरीद के लिए बातचीत अपने अंतिम चरण में है।

पता चला है कि इस ड्रोन की खरीद का प्रस्ताव अप्रैल में वॉशिंगटन में भारत और अमेरिका के बीच चौथी टू प्लस टू विदेश और रक्षा मंत्री स्तरीय बैठक में आया था। इसके साथ ही साल 2020 में भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर में निगरानी के लिए जनरल एटॉमिक्स से दो एमक्यू-9बी सी गार्डियन एक वर्ष की लीज पर लिए थे।

बाद में इस लीज की अवधि बढ़ा दी गई थी। भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी सेना के युद्धपोतों द्वारा लगातार हमले सहित बढ़ती चीनी गतिविधियों की निगरानी के लिए अपने निगरानी तंत्र को मजबूत कर रही है। यह हंटर किलर ड्रोन सेना की तीनों सेवाओं के लिए खरीदे जाएंगे। अमेरिका इसे हंटर-किलर यूएवी (हंटर -किलर यूएवी) श्रेणी में रखता है। एमक्यू 9 रीपर लॉन्ग रेंज एंड्योरेंस ड्रोन है। जो हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों से लैस रहता है।

एमक्यू-9 रीपर पायलट रहित होता है। इसे जॉय स्टिक के जरिए दूर बैठकर कंप्यूटर से उड़ाया जाता है। इसे अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स बनाती है। यह किसी भी तरह के मिशन के लिए भेजा जा सकता है। जैसे- सर्विलांस, जासूसी,

सूचना जमा करना या फिर दुश्मन के ठिकाने पर चुपके से हमला करना।

बिहार : महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ जाप का राजभवन मार्च

पुलिस ने किया लाठी चार्ज

पटना। बढ़ती महंगाई, खाद्य पदार्थों पर बढ़ी जीएसटी, अग्निपथ योजना और बेरोजगारी के खिलाफ जन अधिकार पार्टी (जाप) ने सोमवार को पटना में राजभवन मार्च निकाला। जैसे ही यह मार्च डाक बंगला चौराहे पहुंचा पुलिस ने बल का प्रयोग किया। जाप प्रमुख पप्पू यादव की अगुवाई में निकले इस मार्च में लोगों ने सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारे लगाए और प्रदर्शन किया। मार्च जब डाकबंगला चौराहा पहुंचा तो पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया। कार्यकर्ताओं के जबरदस्त विरोध के बावजूद उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया गया। मौके पर पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना हिटलर से करते हुए कहा कि 2024 के चुनाव में हमें इस सरकार से मुक्ति चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को दोगुनी एमएसपी के लिए, बेरोजगार, नौजवानों के रोजगार के लिए हमें मोदी से मुक्ति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना देश के युवाओं के लिए अभिशाप की तरह है। हम अग्निवीर योजना को समाप्त करने की मांग करते हैं। किसानों के उत्पादन पर जीएसटी की निंदा करते हैं। प्रदर्शन के दौरान महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रानी चौबे ने कहा कि अब खाने वाले पदार्थ पर भी जीएसटी वसूल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण देश के गरीब

और मध्यम परिवार के लोग पिस रहे हैं, लेकिन सरकार विपक्ष नेताओं से निपटने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि मंहगाई को लेकर यह आंदोलन निर्बाध गति से चलता रहेगा। इस दौरान जाप के 30 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन के बाद प्रदेश अध्यक्ष राघवेन्द्र कुशवाहा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल राजभवन जाकर राज्यपाल के पास एक ज्ञापन सौंपा।

5 साल तक के बच्चे हो रहे 'टोमेटो फ्लू' से संक्रमित

- नई बीमारी के पैर पसारने का खतरा मंडरा रहा भारत में

नई दिल्ली । भारत में 5 साल तक के बच्चे 'टोमेटो फ्लू' से संक्रमित हो रहे है। एक और नई बीमारी के पैर पसारने का खतरा मंडरा रहा है। बच्चों के हाथ, पैर और मुंह पर होने वाली एक संक्रामक बीमारी है। इससे जुड़े मामले केरल और ओडिशा में सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, 'टोमेटो फ्लू' का मामला सबसे पहले केरल के कोल्लम में 6 मई को सामने आया था और अब तक 82 बच्चे इससे संक्रमित हो चुके हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि ये सभी बच्चे 5 साल से कम उम्र के हैं। रिपोर्ट में कहा कि, हम फिलहाल कोविड -19 की चौथी लहर के संभावित खतरे से उभर रहे हैं, लेकिन इस बीच एक नया वायरस जिसे टोमैटो फ्लू, या टोमैटो फीवर के रूप में जाना जाता है, केरल में 5 साल से कम उम्र के बच्चों में उभरा है। यह संक्रामक बीमारी 0 से 5 साल के बच्चों को अपनी चपेट में लेती है और वयस्कों में यह दुर्लभ होती है क्योंकि उनके पास वायरस से बचाव के लिए पर्याप्त प्रतिरक्षा प्रणाली होती है।इस वायरल इंफेक्शन का नाम टोमेटो फ्लू इसलिए रखा गया है क्योंकि इससे संक्रमित होने पर बच्चों के शरीर पर टमाटर की तरह लाल रंग के दाने या चकते हो जाते हैं। टोमेटो फ्लू में थकान, मितली, उल्टी, दस्त, बुखार, पानी की कमी, जोड़ों की सूजन, शरीर में दर्द और सामान्य इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षण देखने को मिल रहे हैं। केरल के अलावा ओडिशा में 26 बच्चे इस बीमारी से ग्रसित मिले हैं। केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के अलावा, भारत में कोई अन्य क्षेत्र इस वायरस से प्रभावित नहीं है। टोमेटो फ्लू के मुख्य लक्षणों में डिहाइड्रेशन, त्वचा पर लाल निशान और खुजली शामिल हैं।

10 हजार यूपी की लड़कियां आत्मरक्षा कौशल सीखेंगी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने लड़कियों को सशक्त बनाने और आत्मरक्षा कौशल प्रदान करने के लिए सितंबर में लगभग 10,000 लड़कियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि यह इसके प्रमुख महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम - मिशन शक्ति के तहत आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों की महिलाओं के लिए सुरक्षा, गरिमा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। प्रवक्ता ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए सात दिवसीय कार्यशाला मॉड्यूल को खेल और फिटनेस क्षेत्र कौशल परिषद द्वारा डिजाइन किया जाएगा और राज्य के 75 जिलों में आयोजित किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस आत्मरक्षा कार्यक्रम के साथ, सरकार महिलाओं को किसी भी तरह के हमले या धमकी से खुद को बचाने के लिए तैयार करना चाहती है। मिशन निदेशक, यूपी कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम), आंद्रा वामसी ने एक बयान में कहा, यह कार्यक्रम लड़कियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें किसी भी कठिन परिस्थिति का सामना करने में सक्षम बनाने में मदद करेगा।

प्रशिक्षुओं को अपराधियों से निपटने के तरीके सिखाए जाएंगे। प्रशिक्षण के बाद, प्रतिभागियों को एक आपराधिक हमले या इस तरह के किसी भी अप्रत्याशित खतरे से बचाने में मदद करने के लिए एक आत्मरक्षा किट प्रदान की जाएगी।

प्रशिक्षण का खर्च यूपीएसडीएम वहन करेगा।

कार्यशाला का उद्देश्य लड़कियों को सशक्त बनाना और उन्हें यौन उत्पीड़न, अपहरण, छेड़छाड़, बदमाशी और ऐसे अन्य अपराधों जैसे वास्तविक जीवन के परिदृश्यों से खुद को बचाने में सक्षम बनाना है।

अब शादीशुदा महिलाएं भी मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में ले सकती हैं हिस्सा

- 2023 से लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली ।

मिस यूनिवर्स को लेकर एक नया नियम बनाया गया है। जिसके तहत अब शादीशुदा महिलाएं भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकती हैं। पर ये नियम मिस यूनिवर्स के 72वें संस्करण से लागू होगा। पुराने नियमों के अनुसार प्रतियोगिता में 18 से 28 साल की अविवाहित महिलाएं ही हिस्सा ले सकती थीं। अब उम्र की सीमा तो वहीं है पर अगर आप शादीशुदा हैं या फिर मां भी है, फिर भी इस ब्यूटी पेजेंट के लिए एलिजिबल होंगी। वैसे साल 2021 में मिस यूनिवर्स का खिताब भारत की हरनाज संधू ने अपने नाम किया था। मिस यूनिवर्स के आयोजकों ने एक मेमो जारी करके इस बदलाव की जानकारी दी है। इस नोट में कहा गया` कि शादी महिलाओं का व्यक्तिगत फैसला है, वो अपने जीवन का ये निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं, हम किसी भी तरह से उनकी सफलता में बाधा उत्पन्न नहीं करना चाहते। इसलिए ये फैसला किया गया है%। जानकारी के मुताबिक इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अब मैटरनल और पैटरनल स्टेट की जरूरत नहीं पड़ेगी। साल 2020 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीत चुकी मैक्सिको की एंड्रिया मेजा ने इस फैसला का स्वागत किया है।उन्होंने कहा` कि व्यक्तिगत तौर पर मुझे खुशी हो रही है। महिलाएं अब नेतृत्व करने वाले पदों पर काबिज हो रही हैं, जहां पहले इन पदों पर पुरुष हुआ करते थे। अब वक्त आ गया है कि ब्यूटी पेजेंट्स को भी बदलना चाहिए। परिवार वाली महिलाओं को भी हिस्सा लेना चाहिए। एंड्रिया मेजा ने कहा कि पहले के नियम महिला विरोधी और वास्तविकता से परे थे। लोग ऐसे महिला को देखना चाहते थे जो खूबसूरत और सिंगल हो और रिलेशनशिप के लिए उपलब्ध हो, ऐसे लोग ही इस बदलाव के खिलाफ थे। दरअसल, मेजा की खुशी इस लिए भी है क्योंकि साल 2020 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता जीतने वाली इस सुंदरी पर भी शादीशुदा होने के आरोप लगे थे।

सोशल मीडिया पर वायरल एक फोटो में वह घूंघट के साथ शादी के गाउन में नजर आ रही थीं। जिसके बाद एंड्रिया मेजा ने एक कहा था कि जो शख्स उनके साथ नजर आ रहे हैं वह उनके एक अच्छे दोस्त का भाई हैं। पेजेंट के प्रवक्ता ने कहा था कि ये फोटोशूट की फोटो है।

आनंद शर्मा के इस्तीफे से हिमाचल में कांग्रेस की बढ़ेगी मुश्किलें

शिमला (।

देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी को झटकों पर झटके लग रहे हैं। कश्मीर में गुलाम नबी आजाद के छिटकने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने भी हिमाचल प्रदेश में अहम पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, उन्होंने हमेशा कांग्रेसी रहने का दावा किया है, लेकिन यह इस्तीफा पार्टी के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। शर्मा पहाड़ी राज्य के सियासी हाल को लेकर भी कह रहे हैं कि केवल वह और उनके समर्थक ही भारतीय जनता पार्टी से लड़ सकते हैं। खास बात है कि भाजपा के शासन वाले राज्य में कांग्रेस ऐसे समय पर दोबारा तैयार होने की कोशिश कर रही है, जहां आम आदमी पार्टी भी अपनी सक्रियता बढ़ा रही हैं। शर्मा ने बताया कि अब तक उनसे किसी ने भी बात नहीं की है। सवाल किया गया कि क्या अब तक किसी ने संपर्क किया? तो इस पर वह बोले कि नहीं, कौन मुझसे बात करेगा। उन्होंने कहा कि मेरे जैसी वरिष्ठता वाले को अब तक कोई सम्मान नहीं दिया गया। खास बात है कि अब तक पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी उनके पत्र का जवाब नहीं दिया है। शर्मा कहते हैं कि उनके पास मेरा लैटर है, 'मैं उनके जवाब का इंतजार कर रहा हूं। मुझे यकीन है कि यह उनकी सूची में शामिल होगा।' उन्होंने पार्टी में तैयार हुई स्थिति पर दुख जाहिर किया है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'लेकिन यह दुखद है कि उन्होंने यह स्थिति तैयार होने दी। मैं उनका सम्मान करता हूं।' उन्होंने कहा कि वह हिमाचल जा रहे हैं और उनके समर्थक भी साथ जाएंगे। शर्मा ने कहा, 'पार्टी को बर्बाद करने वाले इन लोगों को (हिमाचल) भेज दो। क्या ये वहां भाजपा से लड़ सकते हैं? केवल मैं और मेरे समर्थक कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि गुटबाजियों के बाद भी पूरी पार्टी हिमाचल में मेरे साथ खड़ी है। हाल ही में कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश कांग्रेस की कमान प्रतिभा चौहान को दी थी। खबर है कि पार्टी को उम्मीद थी कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और उनके पति की विरासत पार्टी को जोड़कर रखेगी, लेकिन कहा जा रहा है कि पार्टी में अभी भी आंतरिक कलह जारी है। शर्मा ने भी अपने पत्र में कई समितियां होने की परेशानियां गिनाई हैं। उन्होंने कहा है कि चुनाव की तैयारियों और रणनीति को लेकर हिमाचल कांग्रेस और वरिष्ठ नेताओं की बैठक दिल्ली और शिमला दोनों जगह हुईं, लेकिन उन्हें इसके बारे में नहीं बताया गया।

-पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने साधा पीएम मोदी पर निशाना

महात्मा गांधी और सरदार पटेल की धरती पर जहर कौन फैला रहा : राहुल गांधी

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर लगातार हमलावर रहते हैं। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी से पूछा आखिर महात्मा गांधी और सरदार पटेल की धरती पर यह जहर कौन फैला रहा है। ट्वीट में राहुल गांधी ने लिखा कि गुजरात में 'ईज आफ डूइंग ड्रग बिजनेस (मादक पदार्थ का कारोबार करने की सुगमता)? राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से 4 सवाल पूछे। पहले सवाल में राहुल गांधी ने पूछा कि गुजरात में हज़ारों करोड़ की ड्रग्स पहुंच रही है, गांधी-पटेल की पावन भूमि पर ये ज़हर कौन फैला रहा है? अपने दूसरे सवाल में राहुल ने लिखा कि बार-बार ड्रग्स बरामद होने के बावजूद, पोर्ट के मालिक से अब तक कोई पूछताछ क्यों नहीं हुई? इसके साथ ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने गुजरात में नशीले पदार्थे की बरामदगी को मादक पदार्थों की तस्करी पर आधारित अमेरिकी ड्रामा सीरीज 'नारकोस' की उपमा देते हुए तीसरा सवाल किया कि गुजरात में ड्रग कार्टेल चला रहे 'नारकोस' को एनसीबी एवं अन्य सरकारी एजेंसियां अब तक क्यों नही पकड़ पायीं? राहुल का चौथा और आखिरी सवाल था कि केंद्र और गुजरात की सरकार में बैठे वह कौन लोग हैं जो माफिया 'मित्रों को संरक्षण दे रहे हैं? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री जी, कब तक मौन रहेंगे, जवाब तो देना ही पड़ेगा। आपको बता दें कि हाल में ही गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने वडोदरा शहर के पास एक निर्माणाधीन फैक्ट्री से 1125 करोड़ रुपए कीमत का 225 किलोग्राम मादक पदार्थ मेफेड्रोन बरामद होने के सिलसिले में छह लोगों को हिरासत में लिया था। वहीं, मुंबई पुलिस के नशा निरोधक प्रकोष्ठ ने गुजरात में मादक पदार्थ मेफेड्रोन बनाने वाली एक इकाई का भंडाफोड़ किया था और मौके से 1026 करोड़ रुपए मूल्य का नशीला पदार्थ बरामद किया गया था। आपको यह भी बता दें कि पिछले ही महीने गुजरात में जहरीली शराब से कई लोगों की मौत हो गई है थी जिसके बाद से गुजरात की राजनीतिक गर्म हो गई थी। आपको बता दें कि गुजरात में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं इसीलिए राजनीतिक वार-पलटवार का दौर भी लगातार चल रहा हैं।

संक्षिप्त समाचार

पांच सितंबर तक बढ़ाई गई संजय राउत की न्यायिक हिरासत

मुंबई । पात्रा चाल भूमि घोटाला मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत की न्यायिक हिरासत सोमवार को 5 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। जानकारी के मुताबिक कोर्ट में शुरुआती सुनवाई के बाद राउत की न्यायिक हिरासत 22 अगस्त तक वैध थी। 22 अगस्त सोमवार को स्पेशल प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) कोर्ट ने उनकी हिरासत 5 सितंबर तक बढ़ा दी गई। इससे पहले एक अगस्त को राउत को इसी मामले में 4 अगस्त तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेजा गया था। गिरफ्तारी के बाद उसी दिन ईडी ने उन्हें विशेष सत्र अदालत में पेश किया। ईडी के अधिकारियों ने 31 जुलाई को शिवसेना नेता के घर पर छापा मारा और कई घंटों तक हिरासत में रखने और पूछताछ करने के बाद 1 अगस्त को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस साल 28 जून को संजय राउत को 1,034 करोड़ रुपए के पात्रा चॉल भूमि घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की रोकथाम के संबंध में तलब किया था। ईडी ने इससे पहले बीते हफ्ते मुंबई में संजय राउत से संबंधित कई ठिकानों पर छापेमारियां कीं। इन छापेमारियों में ईडी ने कई दस्तावेज बरामद किए। ईडी को संजय राउत द्वारा श्रद्धा डेवलपर्स के साथ मिल कर मनी लॉन्ड्रिंग किए जाने का शक है। ईडी इस दौरान संजय राउत से संबंधित सभी प्रॉपर्टी और पैसों की लेन-देन की जांच और पूछताछ कर रही है। इसी संबंध में बुधवार को ईडी अधिकारियों ने मुंबई के मुलुंड, भांडुप और विक्रोली इलाकों में संजय राउत से संबंधित ठिकानों पर छापेमारियां कीं। इन्हीं छापेमारियों में मुलुंड के श्रद्धा डेवलपर्स से जुड़े ठिकाने भी शामिल थे।

तीन बिहारी सांसद बनेंगे रामलीला के किरदार

अयोध्या । भगवान राम की नगरी अयोध्या में 5 सितंबर से रामलीला का मंचन शुरू होगा। सरयू तट पर रामलीला के लिए रविवार को भूमि पूजन संपन्न हुआ। भारतीय जनता पार्टी के 3 सांसद रामलीला के किरदार होंगे।सांसद दिनेश लाल यादव, निरहुआ (लक्ष्मण) की भूमिका में होंगे।मनोज तिवारी (परशुराम) का अभिनय करेंगे। रवि किशन (केवट राज) की भूमिका में रहेंगे। 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक चलने वाली इस रामलीला का शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक लाइव टेलीकास्ट होगा। इस रामलीला में बॉलीवुड के कई कलाकारों की धूम रहेगी। प्रमुख कलाकारों में बिंदु दारा सिंह (हनुमान) की भूमिका में, गजेंद्र चौहान (राजा जनक) शाहबाज खान (रावण) गूफी पेंटल (नारद) गिरजा शंकर (दशरथ) उपासना सिंह (केकई) दीक्षा रैना (सीता) राहुल भूचर (राम) की भूमिका का अभिनय करेंगे।

भारत में 3 साल में 3 गुना ई वेस्ट

नई दिल्ली । ई वेस्ट पैदा करने के मामले में, भारत दुनिया का तीसरे नंबर का देश हो गया है। पिछले 3 साल में 3 गुना ज्यादा ई वेस्ट भारत में पैदा हो रहा है। भारत में हर व्यक्ति 2।4 किलो ई वेस्ट पैदा कर रहा है। अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं। भारत ने अपनी ई वेस्ट रीसाइकलिंग क्षमता को भी 3 साल में 3 गुना बढ़ाया है। भारत में 2759 ई वेस्ट कलेक्शन सेंटर हैं। 468 सेंटर में रि-साईकिल करने की सुविधा है। भारत में करीब 25 करोड़ मोबाइल फोन ई वेस्ट में प्रतिवर्ष बदल जाते हैं। कंप्यूटर, मोबाइल चार्जर भी बड़ा ई वेस्ट पैदा करते हैं। ई वेस्ट को जलाने पर कॉपर एलुमिनियम और लेड जैसे खतरनाक मेटल हवा में घुल जाते हैं।जिसके कारण कैंसर और डीएनए बदलने जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

59 साल में एक भी विवाद नहीं

- छत्तीसगढ़ में बसे तिब्बतियों का कमाल

सरगुजा । 59 साल पहले तिब्बत से आकर सरगुजा जिले के मैनपाट मैं तिब्बती 1963 से रह रहे हैं। इनकी बस्ती में कभी आपस में झगड़ा नहीं हुआ। 59 साल के इतिहास में केवल एक बार आपसी विवाद में कलर पकड़ने की नौबत आई थी। उस विवाद को भी आपस में सुलझा लिया गया। इस गांव में रहने वाले तिब्बती नागरिकों का आसपास के गांव वालों से भी कभी कोई विवाद नहीं हुआ।नाही थाने में कोई रिपोर्ट इनके खिलाफ दर्ज हुई। जो तिब्बती यहां बसे हुए हैं।वह बचपन से ही अपने बच्चों को 10 सूत्र की शिक्षा देते हैं। इन सूत्रों में झूठ नहीं बोलना, चोरी नहीं करना, जीवो की हत्या नहीं करना, गंदी बातें नहीं करना शामिल है। बचपन से मिले संस्कारों के कारण तिब्बती परिवार के सभी लोग काफी शांत प्रकृति के होते हैं। आपस में मिलकर रहते हैं। कभी कोई विवाद होता है। विवाद होने पर कैंप लीडर उसे आपस में ही सुलझा देते हैं।

राजू श्रीवास्तव की तबीयत अभी भी गंभीर, परिजन कर पूजा-पाठ, फैंस कर रहे दुआएं

नई दिल्ली। देश के प्रसिद्ध हॉस्य कलाकार राजू श्रीवास्तव इन दिनों जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे है। हेल्थ से जुड़ी कई सारी अपडेट्स आ रही हैं। 11 दिन हो गए हैं और उनकी हालत में सुधार दिखता नजर नहीं आ रहा है। इस खबर से हर कोई परेशान है। दुआ पढ़ रहा है। उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहा है। वहीं अब कॉमेडियन के बड़े भाई के घर में भी एक पूजा रखी गई है। वहां भी उनके लिए प्रार्थना की जा रही है कि राजी जल्द ठीक हो जाएं और दिल्ली के एम्स से घर लौट आएं। राजू श्रीवास्तव अभी तक आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। उनकी तबीयत को लेकर परिवार बहुत चिंतित है। बड़े अस्पताल और नामी डॉक्टर्स का सहारा लेने के बाद परिवारवाले भगवान की शरण में चले गए हैं। दिल्ली में राजू के बड़े भाई डॉ सीपी श्रीवास्तव ने घर पर पत्नी और परिवार के साथ मिलकर एक विशेष पूजा का आयोजन किया है। यहां राजू के जल्द ठीक होने की मन्नत मांगी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये पूजा पिछले दो दिनों से चल रही है। और अभी पांच दिन और चलेगी। मतलह पूरे एक हफ्ते की इस पूजा से राजू के स्वस्थ होने की कामना की जा रही है। कई बड़े पंडित इस पूजा को विधि-विधान के साथ कर रहे हैं। इसमें कॉमेडियन की पत्नी शिखा और उनके बच्चे भी इस पूजा में बैठे हैं। इस पूजा के बारे में राजू के भाई काजू श्रीवास्तव के साले प्रशांत ने बताया था कि वह विशेष पूजा का आयोजन कर रहे हैं, जिससे भगवान की कृपा कॉमेडियन पर बनी रहे। और वह जल्द ठीक होकर घर लौट आएं। उन्होंने आगे बताया कि डॉक्टर का कहना है कि तीन दिन पहले राजू के ब्रेन में स्वेलिंग आ गई थी। लेकिन बाद में उनकी हालत में सुधार दिख रहा है और फिर से वह खराब न हो इसलिए परिवार पूजा-पाठ का सहारा ले रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के उधनानी सोसायटी में देर रात डीजे रोकने गए पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच झड़प

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के उधना क्षेत्र में गणपति स्थापना के लिए समाज के लोग श्रीजी की प्रतिमा लेकर आए थे। इस दौरान पुलिस और स्थानीय समाज के लोगों के बीच झड़प हो गई। देर रात डीजे को पुलिस ने रोका। तो स्थानीय लोगों द्वारा पीसीआर वैन पर पथराव करने का

वीडियो वायरल हो गया है। हालांकि पुलिस ने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई और इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई।

देर रात डीजे बजाने के साथ गणपति उत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कई समाजों में गणेश की मूर्तियों को पहले से ही पेश किया जा रहा है। उधना क्षेत्र की सोसायटी में बीती रात सोसायटी के निवासी श्रीजी की प्रतिमा को अपने समाज में लेकर आए. इस दौरान डीजे भी बज रहा था। देर रात तक डीजे बज रहा था, पुलिस सोसाइटी पहुंची और डीजे को रोका. इस दौरान लोग भड़क गए। जब उधना पुलिस की पीसीआर वैन को सोसायटी से बाहर निकाला गया तो कुछ स्थानीय लोगों द्वारा पीसीआर वैन पर पथराव करने का वीडियो भी वायरल हो गया है. वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि पीसीआर वैन पर पथराव किया जा रहा है. समाज में युवकों के बीच मनमुटाव को लेकर कंट्रोल रूम में फोन किया गया।

उधना थाने के पीआई एचएस आचार्य ने बताया कि श्रीजी की प्रतिमा लाने के दौरान समाज के निवासी अपने परिवार के साथ नाच रहे थे. पड़ोस के समाज के कुछ युवकों ने भी डांस किया और अंदरूनी कलह भी हुआ. जिसका फोन कंट्रोल रूम में चला गया। वर्धी कंट्रोल रूम से सभा स्थल पहुंचे। देर रात तक डीजे बजने पर पुलिस ने डीजे भी बंद कर दिया। अन्य कोई घटना नहीं हुई। इसलिए कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

एटीएस ने वडोदरा में मिले करोड़ों रुपये के ड्रग्स मामले में आरोपी महेश वैष्णव के घर की तलाशी, 50 लाख नकद बरामद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा के सावली के पास एक दवा फैक्ट्री पकड़ी गई। इस मामले में सूरत के महेश वैष्णव को मुख्य आरोपी बनाया गया था. उस वक्त महेश को पहले ही एटीएस और एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया था। आज मार्वल लग्जरी में महेश वैष्णव के आलीशान फ्लैट को नया रूप दिया गया। तलाशी अभियान के दौरान पता चला है कि महेश वैष्णव के घर से 50 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। मार्वल लग्जरी में सर्च महेश वैष्णव सूरत के मोटा वराछा उतरायन स्थित मार्वल लग्जरी नाम की बिल्डिंग में दसवीं मंजिल पर फ्लैट नंबर 1002 में रहते थे । तीन साल पहले शादी करने वाले महेश वैष्णव पत्नी के साथ आलीशान फ्लैट में रह रहे थे। इस बीच, उन्हें एक ड्रग मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में आज एटीएस और एसओजी ने महेश वैष्णव के घर पर तलाशी अभियान चलाया। 50 लाख नकद बरामद किया गया और 1000 करोड़ से अधिक की दवा फैक्ट्री को जब्त करने के बाद महेश धोराजी उर्फ महेश वैष्णव मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया। इसलिए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, फ्लैट में रहने वाली महेश की पत्नी ने पहले कहा था कि उन्हें नहीं पता कि उनका पति क्या करता है और क्या करता है। हालांकि तलाशी अभियान के दौरान महेश वैष्णव के घर से एटीएस और एसओजी को संयुक्त रूप से 50 लाख नकद मिले। वडोदरा के सावली में एक ड्रग फैक्ट्री चलाने वाले महेश वैष्णव को 1997 में एक ड्रग मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सात साल की सजा सुनाई गई थी। एमएससी तक की पढ़ाई करने वाले महेश वैष्णव ड्रग्स बनाने में माहिर थे। इस वजह से उसने फिर से यह धंधा शुरूकिया और उसमें फंस गया।

उधना के एक केमिकल गोदाम में हाइड्रो केमिकल के ड्रम में लगी आग, ऑक्सीजन के सहारे आग पर काबू पाया गया.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके में स्थित श्री गणेश केमिकल फैक्ट्री के गोदाम में आग लग गई. केमिकल गोदाम होने के कारण दमकल विभाग को भी आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. हालांकि, अंततः दमकल विभाग की विभिन्न टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और कूलिंग का काम किया जा रहा है.

अफरातफरी उधाना इलाके में जिस रासायनिक गोदाम में आग लगी उसमें स्टार्च और एसिड समेत नमक की मात्रा थी। रसायन अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण आग बहुत तेजी से फैली। हाइड्रो केमिकल ड्रम के फटने से आग की लपटें उठने लगीं। जिससे कुछ देर के लिए भय का माहौल बना रहा।

दमकल अधिकारी कृष्णा मोढ ने बताया कि फोन की सूचना मिलते ही मान दरवाजा समेत विभिन्न दमकल स्टेशनों से वाहन घटना स्थल पर पहुंच गए. आग लगते ही मिल में काम करने वाले मजदूर मिल से बाहर भाग निकले। अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रसायनों की अधिक मात्रा के कारण धुएं की मात्रा अधिक थी। आक्सीजन की मदद से दमकल की गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाया। कूलिंग ऑपरेशन किया जा रहा है।

व्यापारी के बेटे के अपहरण के बाद सूरत में 21लाख लेन देन के बाद छोड़ा गया. 3लोगों गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के भाटार क्षेत्र में रहने वाले एक फर्नीचर डीलर के बेटे ने अपने दोस्तों से केमिकल के कारोबार के लिए 21 लाख रुपये उधार लिए थे, हालांकि डीलर के बेटे ने बार-बार अपने उन दोस्तों से पैसे की मांग की थी जो यह पैसा वापस नहीं करना चाहते थे. उसने पैसे नहीं दिए और आखिरकार उसके तीन दोस्तों ने उसे एक कार में अपहरण कर लिया। इसकी जानकारी होने पर व्यवसायी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और शिकायत दर्ज की.पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर आखिरकार तीनों अपहरणकर्ताओं को पकड़कर कारोबारी के बेटे को सुरक्षित छोड़ दिया.

अपहरण के बाद पिता को पता चला कि भाटार श्रीराम मार्बल के पास नारायण नगर सोसायटी में रहने वाले राजस्थान के राजसमंद निवासी देवीलाल माधवलाल जैन यू.डब्ल्यू.ए.35 फर्नीचर का कारोबार करते हैं. जानकारी अनुसार 13 तारीख को देवीलाल भाटार काम के सिलसिले में सिल्वर प्वाइंट गए थे। उस वक्त केविन नाम का युवक एक्टिवा पर अपने बेटे आकाश (उम्र 22) को घर ले जा रहा था। देवीलाल ने अपने पिता को फोन कर इस बात की जानकारी दी और वह घर की ओर दौड़ पड़ा। दिन भर सभी जगह में तलाश करने के बाद भी नहीं मिला।

पिता ने रात 8 बजे कपड़े मंगवाए और कहा कि मेरे पास तुम्हारा बेटा आकाश है और उसके कपड़े ब्रेडलाइनर सर्कल को दे दो, देवीलाल कपड़े लेकर ब्रेडलाइनर सर्कल में चला गया। वहां दीपेश नाम के युवक ने कहा कि प्रशांत भाई के पास ऐसा आसमान है। जब देवीलाल ने प्रशांत को फोन किया तो उसने तुम्हारे लड़के को व्यापार करने के लिए 18 लाख दिए, जो आज तक नहीं दिए गए। और मेरे दोस्त साईकुमार बाबा के ३ लाख निकलते हैं। फोन रख दिया और कहा कि पैसे दो और अपने लड़के को ले जाओ। लेकिन आकाश कहां है इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अपहरणकर्ताओं ने होटल में रख कर खाना खलाते थे. उस समय देवीलाल से उसके बेटे आकाश के बारे में बात की। उस समय उसकी तबीयत ठीक नहीं थी और वह रो रहा था। देवीलाल ने जाने के लिए कहे जाने के बावजूद अपने बेटे को नहीं छोड़ा। आखिरकार देवीलाल ने कल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और आकाश को छोड़ दिया। पुलिस से पूछताछ में आकाश ने केमिकल के धंधे के लिए पैसे लिए थे। अपहरणकर्ता आकाश को एक होटल में रखते थे और कार में बिठाते थे। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।